website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 12 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 23 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

अजमेर दरगाह में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने की चादरपोशी

अजमेर। अजमेर स्थित ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में चल रहे 814वें सालाना उर्स के अवसर पर सोमवार को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू अजमेर पहुंचे और परंपरागत तरीके से दरगाह शरीफ में चादर चढ़ाई।

चादरपोशी के बाद किरेन रिजिजू ने एक पोस्ट के माध्यम से दिया यह संदेश

चादरपोशी के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, ख्वाजा गरीब नवाज के 814वें उर्स के शुभ अवसर पर, मुझे अजमेर की दरगाह शरीफ जाने और पवित्र मजार पर चादर चढ़ाने का सौभाग्य मिला। मैंने सभी के अमन, चैन और भाईचारे के लिए दुआ की। ख्वाजा साहब का प्यार, करुणा और मानवता की निस्वार्थ सेवा का शाश्वत संदेश हमारे साझा मूल्यों को रोशन करता रहेगा और एकता की भावना को मजबूत करेगा।

बड़ी संख्या में तैनात रहा पुलिस बल

कार्यक्रम को लेकर दरगाह परिसर और आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए, बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। चादर पेश करने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, मंत्री सुरेश रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि महफिलखाने पहुंचे। यहां दरगाह दीवान के पुत्र नसरुद्दीन चिश्ती ने उनका स्वागत किया और उर्स की मुबारकबाद दी। इस दौरान देश में शांति, सद्भाव और खुशहाली की दुआ मांगी गई। खादिमों की ओर से दस्तारबंदी कर तबर्रुक भी भेंट किया गया।

चांद नजर आने के साथ ही रविवार से 814वें उर्स की शुरुआत

चांद नजर आने के साथ ही रविवार से 814वें उर्स की शुरुआत हो चुकी है। उर्स के चलते देश-विदेश से लाखों की संख्या में जायरीन अजमेर दरगाह पहुंच रहे हैं। उर्स के विशेष अवसर पर जन्नती दरवाजा भी जायरीन के लिए खोला गया है, जो सामान्य दिनों में बंद रहता है।

भारत-न्यूजीलैंड FTA पर मुहर, 20 मिलियन डॉलर के निवेश से मजबूत होगी आर्थिक साझेदारी

नई दिल्ली । भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर मुहर लग गई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इस सिलसिले में टेलीफोन पर बातचीत की और दोनों नेताओं ने मिलकर एक अहम भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की घोषणा की। दोनों देशों के बीच 20 मिलियन डॉलर का निवेश होगा।

पिछले कुछ वर्षों में यह भारत का 7वां एफटीए-

ओमान, ब्रिटेन, ईएफटीए देशों, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और मॉरीशस के बाद पिछले कुछ वर्षों में यह भारत का 7वां एफटीए है। दोनों देशों के नेता इस बात पर सहमत हुए कि एफटीए दोनों देशों के बीच ज्यादा व्यापार, निवेश, नवाचार और मिले-जुले मौकों के लिए एक उत्प्रेरक का काम करेगा। दोनों देशों के बीच रक्षा, खेल, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों सहित द्विपक्षीय क्षेत्र के दूसरे क्षेत्र में भी विकास का स्वागत किया।

दोनों देशों के नेताओं ने अगले 5 साल में आपसी व्यापार दोगुना करने का जताया भरोसा-

बातचीत के दौरान, दोनों नेताओं ने अगले पांच साल में आपसी व्यापार को दोगुना करने और अगले 15 साल में न्यूजीलैंड से भारत में 20 बिलियन डॉलर के निवेश का भरोसा जताया।नौ महीने के रिकॉर्ड समय में एफटीए को किया पूरा इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से बयान भी जारी किया गया है। बयान के अनुसार, बातचीत इस साल मार्च में शुरू हुई और दोनों नेताओं ने नौ महीने के रिकॉर्ड समय में एफटीए को पूरा किया।

यह दोनों देशों के बीच संबंधों को और गहरा करने की साझा महत्वाकांक्षा और राजनीतिक इच्छाशक्ति को दिखाता है।

निवेश का प्रवाह बढ़ेगा-

पीएमओ के बयान में कहा गया, "एफटीए से दोनों देशों के बीच आर्थिक जुड़ाव काफी गहरा होगा, बाजार तक पहुंच बढ़ेगी, निवेश का प्रवाह बढ़ेगा, दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग मजबूत होगा और दोनों देशों के नवाचारों, उद्यमियों, किसानों, एमएसएमईएस, छात्रों और युवाओं के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में नए अवसर भी खुलेंगे।"दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों जैसे आपसी सहयोग के दूसरे क्षेत्रों में हुई प्रगति का भी स्वागत किया, और इस साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारतीय एफटीए में अब तक की सबसे बड़ी टैरिफ रियायत-

यह ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता न्यूजीलैंड के 95 फीसदी निर्यात पर टैरिफ को या तो पूरी तरह समाप्त करता है या फिर काफी कम करता है। यह किसी भी भारतीय एफटीए में अब तक की सबसे बड़ी टैरिफ रियायत मानी जा रही है।

57 प्रतिशत उत्पादों को पहले ही दिन मिल जाएगी ड्यूटी-फ्री पहुंच-

इसके तहत लगभग 57 प्रतिशत उत्पादों को पहले ही दिन ड्यूटी-फ्री पहुंच मिल जाएगी, जो समझौते के पूरी तरह लागू होने पर बढ़कर 82 फीसदी तक पहुंच जाएगी। इसके अलावा, शेष 13 फीसदी उत्पादों पर भी टैरिफ में भारी कटौती की जाएगी।

यह भारत के तेजी से बढ़ते मिडिल क्लास के लिए खोलता है अवसरों का दरवाजा -

न्यूजीलैंड की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, यह न्यूजीलैंड के निर्यातकों को कई क्षेत्रों में हमारे प्रतिद्वंदियों के बराबर या बेहतर स्थिति में लाता है। इसके साथ ही यह भारत के तेजी से बढ़ते मिडिल क्लास के लिए अवसरों का दरवाजा खोलता है। इसमें आगे कहा गया, "भारतीय अर्थव्यवस्था के 2030 तक न्यूजीलैंड 12 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है। भारत-न्यूजीलैंड के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता दुनिया के सबसे बड़े देश में हमारे निर्यातकों के लिए बहुत बड़ी संभावनाएं पैदा करता है और 10 सालों में निर्यात की वैल्यू को दोगुना करने के न्यूजीलैंड के बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ने में काफी तेजी लाएगा।"

सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल के घर से मिला करोड़ों का कैश

-सेना में भ्रष्टाचार देश के लिये बड़ा खतरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । सीबीआई ने शनिवार को रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा को बेंगलुरु स्थित एक कंपनी से कथित तौर पर 3 लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि दीपक कुमार शर्मा के परिसर की तलाशी के दौरान सीबीआई ने 2.23 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए हैं। सीबीआई ने रक्षा उत्पादन विभाग में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और निर्यात के डिप्टी प्लानिंग ऑफिसर दीपक कुमार शर्मा और उनकी पत्नी कर्नल काजल बाली के खिलाफ मामला दर्ज किया था। कर्नल बाली राजस्थान के श्री गंगानगर स्थित 16 इन्फैंट्री डिवीजन ऑर्डनेंस यूनिट की कमांडिंग ऑफिसर के रूप में तैनात हैं। सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि आरोप है कि शर्मा रक्षा उत्पादों के निर्माण, निर्यात आदि से जुड़ी विभिन्न निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ आपराधिक साजिश रचकर 'लगातार भ्रष्ट और अवैध गतिविधियों में लिप्त' रहते हैं। सीबीआई का आरोप है कि दीपक शर्मा ने कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले उनसे रिश्वत ली। सीबीआई को बेंगलुरु स्थित एक कंपनी से रिश्वत के संभावित भुगतान के बारे में सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि राजीव यादव और रवजीत सिंह कंपनी के कामकाज की देखरेख कर रहे थे। सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, "रवजीत सिंह और राजीव यादव लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा के लगातार संपर्क में थे और उनकी मिलीभगत से विभिन्न सरकारी विभागों और मंत्रालयों से अपनी कंपनी के लिए अवैध तरीकों से अनुचित लाभ प्राप्त कर रहे थे। विनोद कुमार ने उक्त कंपनी के इशारे पर 18 दिसंबर, 2025 को लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा को 3 लाख रुपये की रिश्वत दी।" बयान में कहा गया है कि विनोद कुमार को भी इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। वहीं, लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा के परिसर की तलाशी के दौरान सीबीआई ने दिल्ली स्थित उनके आवास से 2.23 करोड़ रुपये नकद और 3 लाख रुपये रिश्वत की रकम जब्त की, जबकि श्री गंगानगर स्थित उनकी पत्नी के आवास से 10 लाख रुपये जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों दीपक शर्मा और विनोद कुमार को दिल्ली में एक स्पेशल कोर्ट के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें 23 दिसंबर तक सीबीआई की हिरासत में भेज दिया।

सेना में भ्रष्टाचार देश के लिए बड़ा खतरा-

देश की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी सेना की होती है । सेना की ईमानदारी, बहादुर, साहस और देश-भक्ति के कारण देश का हर नागरिक सुरक्षित रह पाता है । यदि सेना में कमजोरी होगी तो देश की सीमाओं की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी । भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर पहले से ही दुश्मन देशों की गंदी नज़रें लगी हुई हैं। सीमाओं पर सेना की मुस्तैदी कम होते ही दुश्मन देश में खतरा पैदा करने में चूक नहीं करने वाले हैं। वैसे तो भ्रष्टाचार कैसा भी हो और कहीं भी हो देश को खोखला कर देता है । जिस देश के सिस्टम में भ्रष्टाचार फैल गया है, उस देश को बर्बाद होने से कोई नहीं बचा सकता है । विश्व में भारत भी एक ऐसा देश है जहां भ्रष्टाचार ने गहरी जड़े जमा ली हैं । देश में एक अजीब तरह का माहौल बन गया है । यहां भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने की बात करने वाले ही भ्रष्टाचार में शामिल मिल जाते हैं । देश के सभी सरकारी विभागों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार व्याप्त है । आम जनता भ्रष्टाचार से भी काफी परेशान है । लेकिन देश में कुछ विभागों मं भ्रष्टाचार नहीं के बराबर मिलता था उनमें से एक विभाग था देश का रक्षा विभाग। लेकिन उसमें भी अब भ्रष्टाचार दिखाई देने लगा है । लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा के घर से 2.23 करोड़ नगद जप्त होना देश की सेना में भ्रष्टाचार की ओर संकेत है। लेफ्टिनेंट कर्नल शर्मा अकेला ऐसा भ्रष्टाचारी नहीं है, उसके साथ एक लंबी चैन ऐसे व्यक्तियों की मिल सकती है जो या तो सेना में कार्यरत हैं या फिर सेना से किसी न किसी तरीके से जुड़े हुए हैं । सेना में भ्रष्टाचार को लेकर देश की मोदी सरकार को गंभीरता से एक्शन लेना चाहिए । सेना में पहले भी काफी ऐसे सैनिक पकड़े गए हैं जो पाकिस्तान के लिए जासूसी करते थे । सेना में भ्रष्टाचार होना देश के लिए बड़ा सुरक्षा खतरा है । इसको रोकने के प्रयास करना जरूरी है ।

आजम खान भड़काऊ भाषण मामले में दोषमुक्त

रामपुर । समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और रामपुर के पूर्व सांसद मोहम्मद आजम खान को भड़काऊ भाषण मामले में बड़ी राहत मिली है। रामपुर की MP-MLA स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए आजम खान को दोषमुक्त कर दिया। यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान दर्ज कराया गया था। बता दें कि आजम खान 17 नवंबर 2025 से रामपुर जेल में बंद हैं। MP-MLA कोर्ट ने उन्हें सात साल की सजा सुनाई थी और उन पर सबसे अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें से ज्यादातर अब भी विचाराधीन हैं। ऐसे में आज आया यह फैसला उनके लिए कानूनी मोर्चे पर बड़ी राहत साबित हुआ है। विवादित भाषण का यह मामला 2019 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी–बसपा गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में रामपुर से आजम खान के चुनाव लड़ने के दौरान का है। आरोप था कि आजम खान ने रामपुर सपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रशासन और अधिकारियों के खिलाफ भड़काऊ टिप्पणी की थी। तत्कालीन कांग्रेस नेता और अब आम आदमी पार्टी से जुड़े फैसल खान लाला ने रामपुर शहर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। फैसल खान लाला ने आरोप लगाया था कि आजम खान ने कार्यकर्ताओं को उकसाने के लिए कहा था कि "अधिकारियों ने पहले जिन जिलों में काम किया है, वहां कमजोरों को तेजाब डालकर गलाया गया है और अब वे रामपुर को खून से नहलाना चाहते हैं।" वादी पक्ष की ओर से भाषण की कथित वीडियो सीडी भी कोर्ट में सबूत के तौर पर पेश की गई थी। करीब चार साल बाद इस मामले पर दोनों पक्षों की बहस पूरी हुई और सोमवार को MP-MLA कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित नहीं कर सका। अदालत ने आजम खान को आरोप से मुक्त कर दिया।कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि यह फैसला आजम खान के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उनके खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। आने वाले दिनों में अन्य मामलों में भी सुनवाई तेज हो सकती है।

ममता बनर्जी को 100 सीट भी नही जितने देंगे - हुमायूं कबीर

-हुमायूं कबीर ने बनाई नई पार्टी

कोलकाता। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने अपनी अलग राजनीतिक पार्टी का ऐलान कर दिया है। कबीर ने अपनी पार्टी का नाम जनता उन्नयन पार्टी रखा है। पार्टी के चुनाव चिन्ह के लिए हुमायूं कबीर ने कहा कि उनकी पहली पसंद 'टेबल' है। दूसरी पसंद जोड़े गुलाब (ट्विन रोजेज) है।

294 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना

हुमायूं कबीर ने बताया कि वह जरूरत पड़ने पर सभी 294 सीटों पर अपने उम्मीवार उतारेंगे। सोमवार को जिले के रेजीनगर में आयोजित सभा से पार्टी के नाम की उन्होंने औपचारिक घोषणा की। सभा को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं।

हुमायूं ने अपनी पार्टी का रखा ये नाम

हुमायूं ने मीडिया से कहा कि उनकी पार्टी सिर्फ आम लोगों के विकास की बात करेगी। उसी आधार पर जनता उन्नयन पार्टी नाम रखा गया है। उन्नयन का मतलब विकास है। कबीर ने तृणमूल और भाजपा के विरोधियों से अपील की कि वे एकजुट हों और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाने के लिए गठबंधन में चुनाव लड़ें। हुमायूं कबीर ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में टीएमसी की ममता बनर्जी को 100 सीट भी नहीं जितने देंगे।

खरगे ने अजमेर शरीफ दरगाह में चादर चढ़ाई

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्स के मौके पर अजमेर शरीफ दरगाह में चादर चढ़ाई। खरगे ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा कि दरगाह हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (रह.) अजमेर शरीफ के 814वें उर्स मुबारक के मौके पर मैं खुद को और पूरी कांग्रेस पार्टी की तरफ से ख्वाजा के दरबार में चादर पेश करते हुए खुद को भाग्यशाली महसूस करता हूं। उन्होंने कहा कि ख्वाजा गरीब नवाज़ की शिक्षा सबके लिए प्यार आज के समय में सबसे ज्यादा प्रासंगिक है। खरगे ने कहा कि हमारे देश में हमेशा अमन, मोहब्बत, सामाजिक सद्भाव और एकता बनी रहे। इस मौके पर तारिक अनवर, इमरान प्रतापगढ़ी और मोहम्मद जावेद समेत कई कांग्रेस नेता मौजूद थे।

मुख्यमंत्री जैसे उच्च पदों पर बैठे नेता महिला सम्मान को ठेस पहुंचाते हैं

-मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मंच पर ही महिला का नकाब हटाने की हरकत से देश का पूरा मुस्लिम समाज नाराज़

-क्या मुख्यमंत्री का मानसिक संतुलन गड़बड़ा गया है?

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मंच पर एक मुस्लिम महिला का नकाब अपने हाथों से सार्वजनिक रूप से हटाने की घटना से पूरे महिला वर्ग के सम्मान को तो ठेस पहुंची ही है साथ में देश का मुस्लिम वर्ग भी गुस्से में है । राजनीति के उच्च पदों पर बैठे नेता जब ऐसी हरकत करेंगे तो समाज में राजनीतिक कार्यकर्ताओं से क्या अपेक्षा की जा सकती है ? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार प्रदेश के उच्च संवैधानिक पद पर विराजमान हैं । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक लंबा राजनीतिक अनुभव है । नीतीश कुमार को सभी धार्मिक मान्यताओं की अच्छी जानकारी है । वह यह भी जानते हैं कि इस्लाम में हिजाब और नक़ाब का कितना महत्व है। वैसे भी महिला किसी भी समाज, वर्ग एवं धर्म की हो उसकी बिना मर्जी के उसे कोई छू नहीं सकता । यदि मंच पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जगह कोई आम कार्यकर्ता ऐसा करता तो क्या होता ? भारत में पर्दा एवं नक़ाब महिला सम्मान का सूचक है। महिलाओं से छेड़छाड़ या लज्जा भंग करने पर हत्या तक कर दी जाती है । यदि मंच पर मुस्लिम महिला की जगह कोई दूसरे समाज की महिला होती तो नीतीश कुमार ऐसा कर पाते हैं ? यदि ऐसा वे कर भी लेते तो बिहार इतना शांत नहीं रह सकता है। देश में वर्तमान में एक मुस्लिम समाज ही ऐसा समाज है जो देश के कानून का सबसे ज्यादा पालन करता है। सबसे ज्यादा सहनशील है और सबसे ज्यादा धैर्यवान है । मोबलीचिंग, बुलडोजर घटनाएं, सार्वजनिक स्थानों पर बेइज्जती सहन करने के बाद भी मुस्लिम वर्ग धैर्य बनाए बैठा है। मुस्लिम वर्ग यह भी जानता है कि मुसलमान को उकसाने की जानबूझकर घटनाएं अंजाम दी जा रही हैं । देश की राजनीति में मुसलमान को सिर्फ राजनीतिक टूल बना दिया है । चुनाव में राजनीतिक दलों की हार जीत मुसलमान के पक्ष और विरोध करने से होती है। राजनीतिक दल सिर्फ सत्ता में बने रहना चाहते हैं, उनको देश के विकास से ज़्यादा कोई लेना-देना नहीं है । इसलिए हिजाब खींचने की घटना को भी एक राजनीतिक घटना में बदल दिया गया । दूसरी तरफ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति ठीक दिखाई नहीं देती है। इस तरह की घटना वे जान बूझकर नहीं कर सकते । इसलिए उन्हें पद पर रहना चाहिए या नहीं रहना चाहिए विचार करने योग्य है।

संजौली मस्जिद की अवैध मंजिल गिराने का काम शुरू

शिमला । शिमला की बहुचर्चित संजौली मस्जिद में इन दिनों अवैध घोषित की गई ऊपरी मंजिल को गिराने का काम चल रहा है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के आदेशों के तहत यह कार्रवाई शुरू की गई है और तोड़फोड़ की प्रक्रिया लगातार आगे बढ़ रही है। प्रशासन की निगरानी में मस्जिद कमेटी के सहयोग से यह कार्य किया जा रहा है। वक्फ बोर्ड के मुताबिक एक महीने के भीतर मस्जिद की अवैध घोषित सभी मंजिलों को पूरी तरह हटा दिया जाएगा। दरअसल, संजौली मस्जिद की चार मंजिला इमारत में से पहले ही दो ऊपरी मंजिलों को हटाया जा चुका है। अब बची हुई एक ऊपरी मंजिल को गिराने का काम चल रहा है। इसके लिए प्रस्तावित बजट को संबंधित विभाग से मंजूरी मिल चुकी थी, लेकिन कुछ कागजी औपचारिकताओं के कारण कार्रवाई में देरी हुई। अब सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद काम दोबारा शुरू कर दिया गया है। मौके पर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने आवश्यक इंतजाम किए हैं। संजौली मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद लतीफ ने शुक्रवार को बताया कि हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करना सभी के लिए अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि मस्जिद कमेटी ने पहले ही नगर निगम आयुक्त से ऊपर की अवैध घोषित की गई तीन मंजिलों को हटाने की सहमति जताई थी। इस संबंध में हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देश भी मौजूद हैं। उन्हीं आदेशों के बाद अब शेष मंजिल को गिराने का कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मस्जिद की निचली दो मंजिलों ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर को लेकर हाईकोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं, इसलिए उन पर फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। गौरतलब है कि संजौली मस्जिद का मामला लंबे समय से कानूनी प्रक्रिया में है। इसी साल 3 मई को नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने मस्जिद के पूरे निर्माण को अवैध बताते हुए इसे गिराने का आदेश दिया था। इस फैसले को वक्फ बोर्ड और मस्जिद कमेटी ने सत्र न्यायालय में चुनौती दी, लेकिन जिला अदालत ने भी माना कि मस्जिद का निर्माण बिना वैध अनुमति के हुआ था और यह नगर निगम नियमों का उल्लंघन है। नगर निगम की ओर से अदालत में बताया गया था कि पुराने ढांचे को गिराने के बाद चार मंजिला नई इमारत बनाई गई थी। इसके लिए न तो कोई नक्शा पास कराया गया और न ही निर्माण की अनुमति ली गई। इसके बाद 5 अक्तूबर 2024 को नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने अनधिकृत हिस्से को हटाने का आदेश दिया। इसी आदेश के तहत तीसरी और चौथी मंजिल पहले ही गिराई जा चुकी हैं। निचली दो मंजिलों को नियमित करने का आवेदन नगर निगम ने 3 मई 2025 को खारिज कर दिया था। यह मामला करीब 16 वर्षों तक नगर निगम आयुक्त कोर्ट में चला और इस दौरान 50 से अधिक बार सुनवाई हुई। 31 अगस्त 2024 को शिमला के मैहली इलाके में दो गुटों के बीच हुई मारपीट के बाद यह विवाद और तेज हो गया था। इसके बाद सितंबर 2024 में संजौली में हुए विरोध प्रदर्शन में हिन्द संगठनों व पुलिस के बीच झड़प में कई जख्मी हुए थे। पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करना पड़ा था।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

बांग्लादेश अब भारत का दोस्त नहीं रहा !

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलन के प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद हालात बिगड़ते जा रहे हैं। शनिवार को हादी के अंतिम संस्कार के बाद हिंसक भीड़ ने संसद में घुसने की कोशिश की। हादी को दफनाने के बाद नारेबाजी करते हुए भीड़ संसद की ओर मार्च करती हुई परिसर में घुसने का प्रयास करने लगी, जिससे ढाका में तनाव फैल गया। शरीफ उस्मान को भारत विरोधी नेता माना जाता था। शरीफ उस्मान की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया जा रहा है। शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी लहर चलने लगी है। कुछ धार्मिक संगठनों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ अभियान चलाना शुरु कर दिया। बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार भारत की घनिष्ठ मित्र मानी जाती थी। बांग्लादेश और भारत के बीच बड़े पैमाने पर व्यापार होता था, जिससे दोनों देशों को आर्थिक फायदा होता था। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल गई है। बांग्लादेश अब पूरी तरह भारत विरोधी रुख अपना चुका है। बांग्लादेश अब भारत विरोधी खेमे में माना जाने लगा है। 1971 में भारत ने ही बांग्लादेश को पाकिस्तान से अलग करवाया था। बांग्लादेश की स्वतंत्रता के बाद पाकिस्तान से भारत की दुश्मनी हो गई थी। बांग्लादेश ने भी भारत को अपने बड़े भाई की तरह माना था। दूसरी तरफ भारत ने बांग्लादेश के विकास में लगातार सहायता की। लेकिन पिछले वर्ष शेख हसीना सरकार बदलने के बाद स्थिति पलट गई है। बांग्लादेश अब पाकिस्तान और चीन के खेमे में चला गया है। बांग्लादेश में पाकिस्तान का दखल प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। बांग्लादेश की भारत से दूरी लगातार बढ़ती जा रही है। चीन भी नहीं चाहता कि बांग्लादेश भारत के साथ दिपक्षीय समझौते करे और गहरे संबंध बनाए। यही कारण है कि चीन बांग्लादेश में अपने सैन्य अड्डों का लगातार विकास कर रहा है। चीन बांग्लादेश से सैन्य गठबंधन बढ़ा रहा है। वर्तमान में चीन बांग्लादेश एवं पाकिस्तान का गठबंधन बन चुका है। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश का गठजोड़ भारत के लिए लाभदायक नहीं हो सकता है। मोदी सरकार की बांग्लादेश को लेकर उल्झन भरी नीति चल रही है या यह भी कह सकते हैं कि बांग्लादेश को लेकर मोदी सरकार की नीति विफल हो गई है, क्योंकि किसी देश का पड़ौसी देशों के साथ अच्छे संबंध होने चाहिए। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में ऐसा नहीं दिखाई दे रहा है। भारत का पाकिस्तान से एक युद्ध हो चुका है और चीन से भी सीमा पर तनाव बना हुआ है। इसी तरह बांग्लादेश भी भारत को आंखें दिखाने लगा है। यदि ऐसा चलता रहा तो एक दिन ऐसा आएगा कि भारत बांग्लादेश के बीच तनाव हो सकता है। हालांकि बांग्लादेश सैन्य ताकत के हिसाब से भारत का मुकाबला नहीं कर सकता है। लेकिन नुकसान जरूर कर सकता है, इसलिए यह कहा जा सकता है कि बांग्लादेश भारत का अब दोस्त नहीं दुश्मन नज़र आ रहा है। बांग्लादेश भारत के हाथ से पूरी तरह निकल चुका है।

महिलाओं को आत्म विश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए

हो सकता लोगों का नज़रिया भी वही हो कि परेशानी का हाल निकालने के बजाए राह बदलना। मगर मैंने कभी राह नहीं बदली हमेशा चैलेंज का मुक़ाबला किया। और परेशानी को चैलेंज समझ कर दूर करने की कोशिश की, जिसमें मैं हमेशा कामयाब हुई। और ये सलाह मैं हर औरत को दूंगी हर लड़की को दूंगी कि भागना, छोड़ना, राह बदलना मसले का हल नहीं है। बल्कि उस ग़लती को उस गुनाह को सुधारने का चैलेंज लो. तभी महिलाओं को लेकर गुंडों, मवालियों और औरत को टाइम पास समझने वालों को सबक़ सिखाया जाए। हिंदुस्तान में आजकल ये आम होता जा रहा है औरत को बहुत सस्ता बना दिया है समाज ने इस मीडिया ने और खुद औरत ने। हो सकता है के कुछ लोग मेरी बात से सहमत ना हो। लेकिन यही कड़वा सच है। हिंदुस्तान की काफ़ी हद तक महिलाएं बेइज़्ज़ती, हेरेसमेंट का शिकार होतीं हैं डेली। ये सिर्फ ऑफिस में ही नहीं हो रहा, ये घरों में भी, पड़ोसियों में भी और रिश्तेदारों में भी हो रहा है। लड़कियों को घर में ही मर्द ज़ात और समाज को ऐसा हव्वा बनाकर पेश किया जाता है के लड़कियां मुक़ाबला तो दूर आवाज़ उठाना तो छोड़िये घर वालों को नहीं बता पाती। मैंने अक्सर इस टॉपिक पर बात की है तो यही कहा है कि लड़कियों को डरपोक ना बनाएँ, वो डरपोक बनकर आपको आपके नाम को बदनामी में ना बदल दें खामोश रहकर। जहाँ ख़ामोशी बेहतरीन अमल है वहां हम उनको आवाज़ उठाना सिखाते हैं और जहाँ आवाज़ उठाना ज़रूरी है वहां हम उनको समाज का डर बदनामी का डर दिखाकर कमज़ोर बनाते हैं। हम समाज से नहीं समाज हमसे है हम हैं तो ये समाज बना है। ये बताएँ लड़कियों को कि कही गलत हो तो खामोश मत बैठो आवाज़ उठाओ अपने लिए भी और तुम्हारे बाद आने वाली और लड़कियों के लिए भी। नौकरी करना अपने लिए जुर्म मत बनाओ बल्कि मिसाल बनाओ। मेरी नज़र में डॉ. नुसरत का फैसला नौकरी छोड़ने का एक कमज़ोर और हालत से सामना ना करके भागने वाला फैसला है। डॉक्टर बनना और डॉक्टर पेरेंट्स का औलाद को बनाना आसान काम नहीं है। जिन्होंने बनाया है अपने बच्चों को डॉक्टर और जो बच्चे बने हैं डॉक्टर वो बेहतर समझ सकते हैं। दिन रात की मेहनत और ढेर सारा ज़िन्दगी भर का कमाया पैसा और वक़्त लगता है। जिस वक़्त एक आर्ट्स और कॉमर्स या एक आम एजुकेशन लेने वाला स्टूडेंट अपनी ज़िन्दगी के मज़े ले रहा होता है उस वक़्त मेडिकल स्टूडेंट अपने सारे इवेंट्स को छोड़ कर पढ़ाई पर फोकस करके मोटी मोटी किताबों में झुका हुआ नज़र आता है। दूसरा नज़रिया आज की सरकार की हुकूमत में वैसे तो सभी बेरोज़गारी से परेशान हैं मगर मुसलमानो को वैसे भी रोज़गार में ख़ास जगह नहीं है। किसी ना किसी बहाने नाम कट किये जा रहे हैं। जो नौकरियां पा रहे हैं समझ लें टोपर मुस्लिम बच्चे हैं वो जिनको किसी सूरत में कट नहीं कर सकी कमिटी। लोगो की टिप्पणी ने जगाया है डॉ. नुसरत को, उनके अंदर के आत्म विश्वास ने, उनकी अंदर की औरत ने उनको कमज़ोर कर दिया था उस दिन, लेकिन नौकरी छोड़ने से मसले का हल नहीं है डॉ नुसरत, अपनी इज़्ज़त कराने से है। उसी समय अगर आवाज़ उठाती अपने लिए जो हाथ चेहरे तक आया तभी क्यों नहीं रोका आपने, अब आप कह रही हैं के नौकरी छोड़ दूंगी, नौकरी उनकी जागीर नहीं थी। नौकरी आपकी योग्यता, शिक्षा ने दिलाई है, नौकरी छोड़ कर नीतीश कुमार जैसे नेताओं का और सरकार का कोई नुक्सान नहीं होगा, मुसलमानों को वैसे भी ये नौकरी नहीं दे रहे। आप उसी वक़्त एक्शन लेतीं तो आज मिसाल बनती उन लाखों लड़कियों की जो अपना भविष्य नौकरी में शुरू करने वाली होंगी और उनका हौंसला बनती जो शायद इन जैसों से हैरेस हो रही होंगी, नौकरी छोड़ कर डरपोक साबित हो रही हैं। छोड़िए आप अभी अपनी सीट, बैठा होगा कोई लाइन में आप ख़ाली करेंगी वो पा लेगा। ग़लत सिस्टम से भागने में बहादुरी नहीं गलत सिस्टम का सामना करने में बहादुरी है। कर्नाटक की हिजाब लड़की से सीखिए ना झुकी ना डरी ना हिजाब खींचने दिया। सिर्फ 10वीं कक्षा की छात्रा। हमें ख़ुद अब अपने लिए लड़ना है भागना नहीं है भगाना है। नौकरी छोड़ना यानी ग़लत सिस्टम से डर कर भागना। मीडिया, कुछ मुसलमान और भी लोग दे रहे होंगे आपको शाबाशी मेरी नज़र में ये आपका डरा हुआ फैसला है। बहादुरी तब थी जब आप उसी समय रोकती उन उठे हुए हाथों को, नियुक्ति पत्र उसके मुंह पर मार कर आती। मैं फिर कहूँगी ग़लत सिस्टम से लड़कर मुक़ाबला करके आप कुछ अच्छा कर सकते हैं नौकरियां छोड़ने से सिस्टम नहीं सुधरेगा। वैसे भी आप इस नौकरी के लिए कितनी मेहनत की हो कि मुसलमान होकर भी ये आपको कट नहीं कर पाये तो नुकसान किसका हुआ। आज सभी हर धर्म की महिला से मेरी सलाह है कहीं भी आपका सीनियर सहपाठी आपके साथ ग़लत व्यवहार करे जगह मत बदलो उसको सबक़ सिखाओ और सिसटम को चुनौती दो, ताकि उस विभाग मे हर आने वाली महिला सुरक्षित हो।

मैंमूना नरगिस
सोशल एक्टिविस्ट और आर्ट कंज़र्वेंटर जयपुर

यूसुफ़ खान उर्फ दिलीप कुमार --- 'अभिनय सम्राट'

(11 दिसंबर, 1922 - 7 जुलाई, 2021)

"दिलीप कुमार को एक सिनेमाई किंवदंती के रूप में याद किया जाएगा" - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

दिलीप कुमार के जन्म का नाम मोहम्मद यूसुफ़ ख़ान था। उनका जन्म 11 दिसंबर, 1922 को ब्रिटिश भारत के पेशावर (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। उनके पिता मुंबई आ बसे थे, जहाँ उन्होंने हिन्दी फ़िल्मों में काम करना शुरू किया। उन्होंने देविका रानी के कहने पर अपना नाम यूसुफ खान से बदलकर दिलीप कुमार रख लिया।

हिन्दी फ़िल्मों के एक प्रसिद्ध अभिनेता थे, जो भारतीय संसद के उच्च सदन राज्य सभा के सदस्य रह चुके हैं। दिलीप कुमार को भारत तथा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं में गिना जाता है। उन्हें दर्शकों द्वारा 'अभिनय सम्राट' के नाम से पुकारा जाता है, वे आज़ादी से लेकर 60 के दशक तक भारत के सबसे लोकप्रिय अदाकार थे। उनके फ़िल्मों की कामयाबी दर छह दशकों के कार्यकाल में लगभग अस्सी (80) फ़ीसदी से ऊपर रही है। उन्हें दुनिया में पहली बार पर्दे पर 'मेथड एक्टिंग' को इजाद करने का श्रेय भी दिया जाता है। जिसके कारण वे तमाम पीढ़ियों के अदाकार के प्रेरणाश्रोत रहे। दिलीप कुमार को भारत का दूसरा एवं तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण और पद्म भूषण मिला है। उन्हें पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान-ए-इम्तियाज़ भी प्राप्त है।

व्यापार विश्लेषकों के अनुसार उनकी बहुत-सी फ़िल्में इसलिए भी कामयाब हुईं क्योंकि जनता सिर्फ़ उनकी अदाकारी देखने जाया करती थी। इस प्रकार के वाक्या और किसी भी अदाकार के साथ नही हुए हैं। उन्होंने बहुत-सी बड़े पैमाने पर कामयाब फ़िल्मों में अदाकारी की है, जैसे मुग़ल-ए-आज़म (1960), गंगा जमना (1961), इत्यादि। दूसरी पारी में वे वृद्ध किरदार की भूमिका में भी प्रमुख किरदार निभा रहे थे। ऐसा वाक्या भी उनके अतिरिक्त किसी अदाकार के साथ नहीं हुआ है। 1998 में आई फिल्म "किला" उनके करियर की आखिरी फ़िल्म थी। उन्हें वर्ष 1994 में भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार "दादा साहेब फाल्के" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अपने अभिनय और भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में सुधार लाने के लिए उन्हें पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार निशान-ए-इम्तियाज़ दिया गया जिसे प्राप्त करने वाले वे इकलौते भारतीय हैं।

उनकी पहली फ़िल्म 'ज्वार भाटा' थी, जो 1944 में आई। 1949 में बनी फ़िल्म "अंदाज़" की सफलता ने उन्हें प्रसिद्धी दिलाई। इस फ़िल्म में उन्होंने राज कपूर और नर्गिस के साथ काम किया। जो रिलीज़ के समय, तब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फ़िल्म थी। दीदार (1951) और देवदास (1955) जैसी फ़िल्मों में दुखद भूमिकाओं के लिए मशहूर होने के कारण उन्हें "ट्रेजिडी किंग" कहा गया। उन्होंने 1961 में गंगा जमुना फ़िल्म का निर्माण भी किया। 1970, 1980 और 1990 के दशक में उन्होंने कम फ़िल्मों में काम किया। इस समय की उनकी प्रमुख फिल्में थीं: विधाता (1982), दुनिया (1984), कर्मा (1986), इज्जतदार (1990) और सौदागर (1991)। 1998 में बनी फ़िल्म किला उनकी आखरी फ़िल्म थी। उन्होंने रमेश सिप्पी की फ़िल्म शक्ति में अमिताभ बच्चन के साथ काम किया। इस फ़िल्म के लिए उन्हें फ़िल्म फ़ेयर पुरस्कार भी मिला। वे आज भी प्रमुख अभिनेताओं जैसे शाहरूख खा़न के प्रेरणास्रोत हैं।

फिल्म जुगनू (1947) में उन्होंने नूरजहाँ के साथ अभिनय किया, जो बॉक्स ऑफिस पर उनकी पहली बड़ी हिट फ़िल्म बन गई। उनकी अगली प्रमुख हिट 1948 की फ़िल्में शहीद और मेला थीं। जुगनू और शहीद दोनों अपने-अपने रिलीज के वर्ष की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्में थीं। दिलीप कुमार ने 1950 के दशक में जोगन (1950), बाबुल (1950), दीदार (1951), तराना (1951), दाग (1952), अमर (1954), उड़न खटोला (1955), इंसानियत (1955), देवदास (1955), नया दौर (1957), यहुदी (1958), मधुमती (1958) और पैगाम (1959) जैसी कई बॉक्स ऑफिस हिट फिल्मों में प्रमुख भूमिकाएँ निभाईं। कई दुखद भूमिकाएँ निभाने के कारण दिलीप कुमार को कुछ समय के लिए अवसाद का सामना भी करना पड़ा और अपने मनोचिकित्सक की सलाह पर उन्होंने हल्की-फुल्की भूमिकाएँ भी निभाईं। मेहबूब खान के बड़े बजट की फिल्म "आन" टैकनीकलर में शूट की जाने वाली उनकी पहली फिल्म थी। जिसे लंदन में भव्य प्रीमियर के साथ पूरे यूरोप में व्यापक रूप से प्रदर्शित किया गया था। आन उस समय घरेलू स्तर पर और विदेशों में सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म थी। आज़ाद (1955) में एक चोर के रूप में और कोहिनूर (1960) में एक शाही राजकुमार के रूप में उन्हें हल्की भूमिकाओं के साथ और भी सफलता मिली। इस समय तक, उन्होंने अपने पात्रों द्वारा बोली जाने वाली पंक्तियों को असंख्य भाव और अर्थ देते हुए अपने संवादों को गुनगुनाने की अपनी विशिष्ट शैली विकसित कर ली थी। वह फ़िल्म फ़ेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार (दाग के लिए) जीतने वाले पहले अभिनेता थे और उन्होंने इसे और सात बार जीता।

उन्होंने वैजयंतीमाला, मधुबाला, नर्गिस, निम्मी, मीना कुमारी और कामिनी कौशल और वहीदा रहमान सहित कई शीर्ष अभिनेत्रियों के साथ लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन जोड़ी बनाई। 1950 के दशक में उनकी 9 फिल्मों को दशक की शीर्ष 30 सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों में स्थान दिया गया था।

1950 के दशक में, दिलीप कुमार प्रति फिल्म 1 लाख (2020 में 90 लाख या US$120,000 के बराबर) चार्ज करने वाले पहले भारतीय अभिनेता बने।

उन्होंने 1960 में के. आसिफ की बड़े बजट की ऐतिहासिक फिल्म मुगल-ए-आज़म में शहज़ादा सलीम की भूमिका निभाई, जो 15 वर्षों तक भारतीय फिल्म इतिहास में सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म थी, यह फ़िल्म पहले श्वेत और श्याम थी और 2004 में रंगीन बनाई गई। यदि मुद्रा स्फीति के लिए समायोजित किया जाता है, तो मुगल-ए-आज़म 2010 के दशक की शुरुआत में सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म थी, जो 2011 में 1000 करोड़ से अधिक के बराबर थी।

दिलीप कुमार ने 1961 में गंगा जमुना में अपने भाई नासिर खान के साथ शीर्षक भूमिकाएँ निभाते हुए लिखा, निर्मित और अभिनय किया। दिलीप कुमार ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी सिटीजन्स के तहत फिल्म का निर्माण किया और यह उनके द्वारा निर्मित एकमात्र फिल्म थी। फिल्म को हिंदी में दूसरी सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, बोस्टन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पॉल रेवरे सिल्वर बाउल, प्राग में चेकोस्लोवाक कला अकादमी से विशेष सम्मान डिप्लोमा और कार्लोवी वेरी इंटरनेशनल फिल्म महोत्सव में विशेष पुरस्कार मिला।

1970 के दशक में दिलीप कुमार के करियर में गिरावट आई और 1970 की फिल्म गोपी उनकी एकमात्र बॉक्स ऑफिस सफलता थी। इस फिल्म में उनकी पत्नी सायरा बानो के साथ देखा गया।

उन्होंने 1976 में बैराग में एक पिता और जुड़वां बेटों के रूप में ट्रिपल भूमिकाएँ निभाईं, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रही। उन्होंने 1970 से 1980 तक अभिनेता राजेश खन्ना और संजीव कुमार के लिए प्रमुख भूमिकाओं में अभिनय करने के लिए कई फिल्म प्रस्ताव खो दिए। उन्होंने 1976 से 1981 तक फिल्मों से पांच साल का अंतराल लिया।

उन्होंने 1981 में एक चरित्र अभिनेता के रूप में परिपक्व बुजुर्ग भूमिकाएँ निभाते हुए फिल्मों में वापसी की। उनकी वापसी वाली फिल्म स्टार-जड़ित ऐतिहासिक महाकाव्य क्रांति थी, जो साल की सबसे बड़ी हिट थी। मनोज कुमार, शशि कपूर, हेमा मालिनी और शत्रुघ्न सिन्हा सहित कलाकारों की टीम के साथ दिखाई देने पर, उन्होंने ब्रिटिश शासन से भारत की स्वतंत्रता के लिए एक क्रांतिकारी लड़ाई के रूप में शीर्षक भूमिका निभाई। क्रांति के बाद के चरण में, उन्होंने विधाता (1982), शक्ति (1982), दुनिया (1984), आदि जैसी फिल्मों की एक श्रृंखला में "एंग्री ओल्ड मैन" की भूमिका निभाने के लिए खुद को फिर से मजबूत किया। उन्होंने 1982 में विधाता में पहली बार निर्देशक सुभाष घई के साथ काम किया, जिसमें उन्होंने संजय दत्त, संजीव कुमार और शम्मी कपूर के साथ अभिनय किया। विधाता साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। उसी वर्ष बाद में उन्होंने रमेश सिप्पी की शक्ति में अमिताभ बच्चन के साथ अभिनय किया, जो बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई करने वाली थी। लेकिन उन्हें समीक्षकों की प्रशंसा मिली और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए उनका आठवां और अंतिम फिल्म फेयर पुरस्कार मिला। उन्होंने 1984 में अनिल कपूर के साथ यश चोपड़ा की मशाल में अभिनय किया, जो बॉक्स ऑफिस पर विफल रही, लेकिन उनके प्रदर्शन को समीक्षकों द्वारा सराहा गया। वह दुनिया (1984) में ऋषि कपूर और धर्म अधिकारी (1986) में जितेंद्र के साथ भी दिखाई दिए। सुभाष घई की एक्शन फिल्म कर्मा अभिनेत्री नूतन के साथ पहली बार देखा गया। उन्होंने 1989 की एक्शन फिल्म कानून अपना अपना में फिर से नूतन के साथ अभिनय किया, जिसमें संजय दत्त भी नज़र आये।

दिलीप कुमार ने 1991 में सौदागर में साथी दिग्गज अभिनेता राज कुमार के साथ अभिनय किया, निर्देशक सुभाष घई के साथ उनकी तीसरी और आखिरी फिल्म थी। सन 1959 में आई पैगाम फ़िल्म के बाद राज कुमार के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म थी।

दिलीप कुमार 2000 से 2006 तक भारत की संसद के ऊपरी सदन राज्य सभा के सदस्य थे। उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित किया गया था।

दिलीप कुमार ने अभिनेत्री सायरा बानो से 1966 में विवाह किया। सायरा बचपन से ही अपने पसंदीदा अभिनेता दिलीप कुमार से विवाह करना चाहती थीं। विवाह के समय दिलीप कुमार 44 वर्ष और सायरा बानो 22 वर्ष की थीं। 1980 में उन्हें सम्मानित करने के लिए मुंबई का शेरिफ घोषित किया गया। 1991 में भारत सरकार ने उन्हें तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान "पद्म भूषण" और 2015 में दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान "पद्म विभूषण" से सम्मानित किया। दिलीप कुमार का 7 जुलाई 2021 को 98 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह टेस्टिकुलर कैंसर और फुफ्फुस बहाव के अलावा कई उम्र से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे। अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि "दिलीप कुमार को एक सिनेमाई किंवदंती के रूप में याद किया जाएगा"।

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस: समानता और समावेशिता का प्रतीक

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस हर वर्ष 18 दिसंबर को मनाया जाता है, जो अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा और उनके सशक्तिकरण पर केंद्रित है। यह दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1992 में अपनाई गई अल्पसंख्यक अधिकार घोषणा की याद दिलाता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में यह दिवस सामाजिक न्याय और भाईचारे को मजबूत करने का माध्यम बनता है।

इतिहास और पृष्ठभूमि-
अल्पसंख्यक अधिकार दिवस की शुरुआत 18 दिसंबर 1992 को हुई, जब संयुक्त राष्ट्र ने अल्पसंख्यकों के सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषाई अधिकारों की घोषणा अपनाई। इसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों को उनकी पहचान बनाए रखने का अधिकार देना था। भारत में यह दिन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के गठन से जुड़ा, जो 1992 के अधिनियम के तहत कार्य करता है। इस दिवस ने वैश्विक स्तर पर अल्पसंख्यकों के प्रति भेदभाव रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संयुक्त राष्ट्र की यह पहल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मानवाधिकारों की मजबूती का हिस्सा थी। भारत में संविधान के अनुच्छेद 29 और 30 अल्पसंख्यकों को अपनी संस्कृति और शिक्षा संस्थानों पर अधिकार देते हैं।

भारत में अल्पसंख्यक अधिकार-
भारतीय संविधान अल्पसंख्यकों को विशेष संरक्षण प्रदान करता है, जिसमें मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी शामिल हैं। अनुच्छेद 30 के तहत वे अपनी संस्थाएं चला सकते हैं। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और महिलाओं के उत्थान पर योजनाएं चलाता है।शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 और बाद की योजनाएं जैसे मदरसा आधुनिकीकरण अल्पसंख्यकों को समर्थन देती हैं। आर्थिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों के लिए गहन क्षेत्रीय कार्यक्रम उपलब्ध हैं। ये कदम समान अवसर सुनिश्चित करते हैं। नेशनल कमीशन फॉर माइनॉरिटीज भेदभाव की शिकायतों की जांच करता है और सरकार को सुझाव देता है।

महत्व और चुनौतियां-
यह दिवस समानता, सामाजिक न्याय और समावेशिता को बढ़ावा देता है। अल्पसंख्यकों की प्रगति समाज की समग्र उन्नति का सूचक है। जागरूकता अभियान भाईचारा मजबूत करते हैं। हालांकि, चुनौतियां बनी हुई हैं जैसे शिक्षा और रोजगार में असमानता। सामाजिक पूर्वाग्रह और हिंसा की घटनाएं चिंता का विषय हैं। इनसे निपटने के लिए कानूनी और सामुदायिक प्रयास जरूरी हैं। सरकार की योजनाएं जैसे स्कॉलरशिप और वक्फ बोर्ड सुधार इन मुद्दों पर काम कर रही हैं। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं में प्रधानमंत्री का जन विकास कार्यक्रम शामिल है, जो बुनियादी ढांचे पर फोकस करता है। सिख, ईसाई आदि के लिए विशेष स्कॉलरशिप उपलब्ध हैं। शिक्षा उजाला योजना लड़कियों की पढ़ाई को बढ़ावा देती है। कौशल्य विकास के लिए सीखो और कमाओ कार्यक्रम चलते हैं। ये अल्पसंख्यकों को मुख्यधारा से जोड़ते हैं। नेशनल मॉनिटरिंग कमिटी मदरसों का आधुनिकीकरण करती है। वक्फ संपत्तियों का बेहतर उपयोग आर्थिक मजबूती देता है।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य-
विश्व स्तर पर यह दिवस संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों से जुड़ा है। यूरोप और अमेरिका में अल्पसंख्यक अधिकार कानून मजबूत हैं। भारत की विविधता वैश्विक मॉडल है। मानवाधिकार दिवस से प्रेरित यह पहल शरणार्थी और प्रवासी अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देती है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। निष्कर्ष और भविष्य दृष्टि अल्पसंख्यक अधिकार दिवस हमें एकजुट समाज की याद दिलाता है। सभी वर्गों को समान सम्मान मिले, यही प्रगति का आधार है। युवाओं को जागरूक बनाकर हम बेहतर भविष्य रच सकते हैं।

मिर्ज़ा ग़ालिब

(27 दिसंबर, 1797-15 फ़रवरी, 1869)

"हैं और भी दुनिया में सुख़नवर बहुत अच्छे कहते हैं कि 'ग़ालिब' का है अंदाज़-ए-बयाँ और"

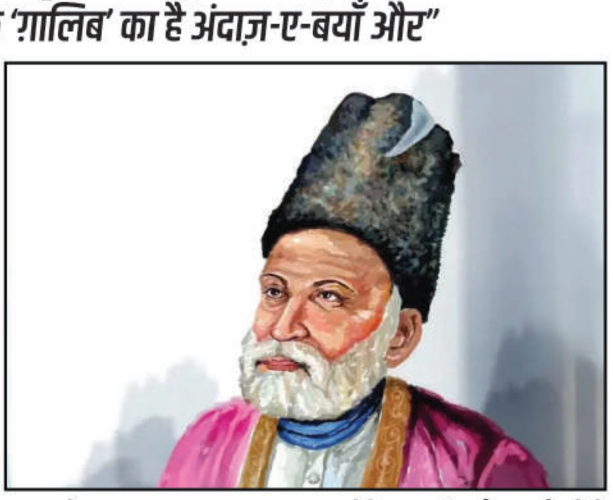

मिर्ज़ा असदुल्लाह बेग ख़ान, जो अपने तख़ल्लुस ग़ालिब से जाने जाते हैं, उर्दू एवं फ़ारसी भाषा के एक महान शायर थे। इनको उर्दू भाषा का सर्वकालिक महान शायर माना जाता है और फ़ारसी कविता के प्रवाह को हिन्दुस्तानी ज़बान में लोकप्रिय करवाने का श्रेय भी इनको दिया जाता है। यद्दपि इससे पहले के वर्षों में मीर तक़ी "मीर" भी इसी वजह से जाने जाते हैं। ग़ालिब के लिखे पत्र, जो उस समय प्रकाशित नहीं हुए थे, को भी उर्दू लेखन का महत्वपूर्ण दस्तावेज़ माना जाता है। ग़ालिब को भारत और पाकिस्तान में एक महत्वपूर्ण कवि के रूप में जाना जाता है। उन्हें दबीर-उल-मुल्क और नज़्म-उद-दौला का ख़िताब मिला।

ग़ालिब (और असद) तख़ल्लुस से लिखने वाले मिर्ज़ा मुग़ल काल के आख़िरी शासक बहादुर शाह ज़फ़र के दरबारी कवि भी रहे थे। आगरा, दिल्ली और कलकत्ता में अपनी ज़िन्दगी गुजारने वाले ग़ालिब को मुख्यतः उनकी उर्दू ग़ज़लों को लिए याद किया जाता है। उन्होंने अपने बारे में स्वयं लिखा था कि दुनिया में यूं तो बहुत से अच्छे शायर हैं, लेकिन उनकी शैली सबसे निराली है:

"हैं और भी दुनिया में सुख़नवर बहुत अच्छे
कहते हैं कि 'ग़ालिब' का है अंदाज़-ए-बयाँ और"

ग़ालिब का जन्म आगरा में 27 दिसंबर,1797 को एक सैनिक पृष्ठभूमि वाले परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने पिता और चाचा को बचपन में ही खो दिया था, ग़ालिब का जीवनयापन मूलतः अपने चाचा के मरणोपरांत मिलने वाली पेंशन से होता था (वो ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी में सैन्य अधिकारी थे)। ग़ालिब की पृष्ठभूमि एक तुर्क परिवार से थी और इनके दादा मध्य एशिया के समरक़न्द से सन् 1750 के आस-पास भारत आए थे। उनके दादा मिर्ज़ा क़ोबान बेग ख़ान अहमद शाह के शासन काल में समरकंद से भारत आये। उन्होंने दिल्ली, लाहौर व जयपुर में काम किया और अन्ततः आगरा में बस गये। उनके दो पुत्र व तीन पुत्रियां थीं। मिर्ज़ा अब्दुल्ला बेग ख़ान व मिर्ज़ा नसरुल्ला बेग ख़ान उनके दो पुत्र थे।

मिर्ज़ा अब्दुल्ला बेग (ग़ालिब के पिता) ने इज़्ज़त-उत-निसा बेगम से निकाह किया और अपने ससुर के घर में रहने लगे। उन्होंने पहले लखनऊ के नवाब और बाद में हैदराबाद के निज़ाम के यहाँ काम किया। 1802 में अलवर में एक युद्ध में उनकी मृत्यु के समय ग़ालिब मात्र 5 वर्ष के थे।

जब ग़ालिब छोटे थे तो एक नव-मुस्लिम-वर्तित ईरान से दिल्ली आए थे और उनके सान्निध्य में रहकर ग़ालिब ने फ़ारसी सीखी।

ग़ालिब की प्रारम्भिक शिक्षा के बारे में स्पष्टतः कुछ कहा नहीं जा सकता। लेकिन ग़ालिब के अनुसार उन्होंने 11 वर्ष की अवस्था से ही उर्दू एवं फ़ारसी में गद्य तथा पद्य लिखना आरम्भ कर दिया था। उन्होंने अधिकतर फारसी और उर्दू में पारम्परिक भक्ति और सौन्दर्य रस पर रचनायें लिखी जो गज़ल में लिखी हुई हैं। उन्होंने फारसी और उर्दू दोनों में पारंपरिक गीत काव्य की रहस्यमय-रोमांटिक शैली में सबसे व्यापक रूप से लिखा और यह गज़ल के रूप में जाना जाता है।

13 वर्ष की आयु में उनका विवाह नवाब ईलाही बख्श की बेटी उमराव बेगम से हो गया था। विवाह के बाद वे दिल्ली आ गये थे जहाँ उनकी तमाम उम्र बीती। अपने पेंशन के सिलसिले में उन्हें कोलकाता कि लम्बी यात्रा भी करनी पड़ी थी, जिसका ज़िक्र उनकी ग़ज़लों में जगह–जगह पर मिलता है।

1850 में शहंशाह बहादुर शाह ज़फ़र द्वितीय ने मिर्ज़ा ग़ालिब को दबीर-उल-मुल्क और नज़्म-उद-दौला के ख़िताब से नवाज़ा। बाद में उन्हें मिर्ज़ा नोशा का ख़िताब भी मिला। वे शहंशाह के दरबार में एक महत्वपूर्ण दरबारी थे। उन्हें बहादुर शाह द्वितीय के पुत्र मिर्ज़ा फ़ख़रु का शिक्षक भी नियुक्त किया गया। वे एक समय में मुग़ल दरबार के शाही इतिहासविद भी थे।

मिर्ज़ा ग़ालिब 15 फ़रवरी,1869 को इस दुनिया से हमेशा के लिए रुखसत ज़रूर हो गए, लेकिन उनका नाम आज भी लोगों के दिलों में ज़िंदा है।

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिल्ली निवास पर कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी में राजस्थान एम डी चौपदार को सौंपी चादर

नई दिल्ली । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पंसख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष व चेयरमैन राजस्थान मदरसा बोर्ड राज्यमंत्री राजस्थान सरकार एम.डी.चोपदार ने बताया की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंद वली ख्वाजा गरीब नवाज अजमेर शरीफ के उर्स के मुबारक मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकाअर्जुन खड़गे एवं कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यसभा के सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने आज 19 दिसंबर 2025 शुक्रवार को नई दिल्ली मे कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकाअर्जुन खड़गे जी के निवास पर अजमेर शरीफ के लिए वरिष्ठ नेताओ और कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को अजमेर शरीफ के लिए चादर सौंपीं। अल्पसंख्यक विभाग का प्रतिनिधिमंडल आगामी 24 दिसम्बर को अजमेर शरीफ़ दरगाह पर पहुँचकर दरगाह मुबारक पर चादर पेश करेगा। कांग्रेस पार्टी की ओर से अजमेर शरीफ दरगाह में ख्वाजा गरीब नवाज़ (रह.) के मजार मुबारक पर चादर पेश कर देश में अमन-चैन, आपसी भाईचारे, संविधान की मजबूती, एकता-अखंडता और हर नागरिक की खुशहाली का संदेश दिया गया। राज्यसभा सांसद नासिर हुसैन, सांसद मोहम्मद जावेद, तारिक अनवर, सलमान खुर्शीद, प्रणव झा, गुरदीप सप्पल, आरिफ नसीम अमीन कागजी जाकिर गैसावत, धर्मेन्द्र राठौड़, सलावत खां, मकसूद अहमद, आर्यन जुबेर, इमरान तिजारा,सादीक चौहान, असलम निर्वाण, चांद मोहम्मद चिश्ती, रशीदा खान, नियाज अहमद (निकू भाई), वाजिद अली चीता, मुख्तार अहमद, एडवोकेट सगीर अहमद, अनीश खान,साहुन खान, गुलसाद खान,इमरान चौधरी इस मौके पर सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारी मौजूद रहे।

अरावली पर्वतमाला के अस्तित्व पर गंभीर संकट- नाज़िमुद्दीन

-खनन की अनुमति से राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत के भविष्य पर ख़तरा

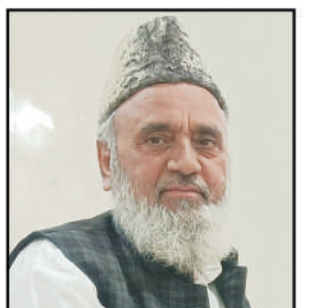

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मुहम्मद नाज़िमुद्दीन ने सुप्रीम कोर्ट का ध्यान अरावली पर्वतमाला के भविष्य से जुड़े अत्यंत गंभीर पर्यावरणीय संकट की ओर आकृष्ट करते हुए कहा है कि हालिया न्यायिक परिभाषा, जिसके तहत केवल 100 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले भू-भाग को ही 'अरावली' माना गया है, इस प्राचीन पर्वतमाला के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से को कानूनी संरक्षण से बाहर कर देती है। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि यदि इस परिभाषा के आधार पर बड़े पैमाने पर खनन की अनुमति दी गई, तो इसका परिणाम केवल पहाड़ों के विनाश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जलस्रोतों का पतन, मरुस्थलीकरण, वायु प्रदूषण में तीव्र वृद्धि और लाखों लोगों के जीवन व स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, अरावली मात्र मिट्टी एवं पत्थरों की श्रृंखला नहीं है, बल्कि यह राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली-एनसीआर के लिए जल-रक्षा कवच, धूल-प्रदूषण अवरोध और जलवायु संतुलन का आधार है। इसे तकनीकी परिभाषाओं के माध्यम से कमज़ोर करना आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा।" उन्होंने विशेष रूप से यह रेखांकित किया कि अरावली क्षेत्र राजस्थान के कई जिलों में भूजल पुनर्भरण (Groundwater Recharge) का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। खनन से पहाड़ियों की प्राकृतिक संरचना नष्ट हो जाएगी, जिससे कुएँ, बावड़ियाँ और जलधाराएँ सूख जाएँगी, और किसान तथा ग्रामीण समुदाय सबसे अधिक प्रभावित होंगे। उन्होंने माननीय सर्वोच्च न्यायालय से सादर अपील की है कि: अरावली पर्वतमाला की परिभाषा पर पुनर्विचार किया जाए और इसे केवल ऊँचाई के बजाय पारिस्थितिकीय निरंतरता, ढाल, वनस्पति और जल-संरक्षण भूमिका के आधार पर तय किया जाए। अरावली क्षेत्र में नए खनन पट्टों पर पूर्ण रोक लगाई जाए और संवेदनशील क्षेत्रों में चल रहे खनन को चरणबद्ध ढंग से बंद किया जाए। पूरे क्षेत्र में अनाधिकृत खनन रोकने के लिए कठोर क़दम उठाए जाएं। अरावली को 'क्रिटिकल इकोलॉजिकल ज़ोन' घोषित कर इसे दीर्घकालिक और सख़्त कानूनी संरक्षण प्रदान किया जाए। नाज़िमुद्दीन ने कहा कि "विकास के नाम पर प्रकृति का विनाश न तो संविधान की भावना के अनुरूप है और न ही मानवता के हित में। सुप्रीम कोर्ट से हमें उम्मीद है कि वह पर्यावरण संरक्षण, जनस्वास्थ्य और अंतर-पीढ़ी न्याय को प्राथमिकता देगा।"

सड़कों पर उतरी कांग्रेस, नेशनल हेराल्ड केस को लेकर जयपुर में उग्र प्रदर्शन

-नेताओं ने दी गिरफ्तारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में कांग्रेस ने 17 दिसम्बर बुधवार को बीजेपी मुख्यालय की ओर कूच किया। पुलिस ने बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक दिया। कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हो गई। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गोविंद सिंह डोटासरा को अपने कंधों पर उठा लिया। वहीं, विधायक मनीष यादव बैरिकेड पर चढ़कर दूसरी ओर उतरने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें डंडे से रोका। उनका संतुलन बिगड़ गया और वे गिर पड़े। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस नेता बेहोश होकर गिर पड़ीं। पुलिस ने पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली,अमीन कागजी,रफीक खान,गोपाल मीणा,मनीष यादव समेत कई प्रमुख नेताओं को हिरासत में ले लिया। दरअसल, कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार संवैधानिक संस्थाओं, विशेषकर ईडी का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को राजनीतिक प्रतिशोध के तहत परेशान कर रही है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- बीजेपी का चाल, चरित्र और चेहरा तीनों जनता के सामने आ गया है। बीजेपी वाले भ्रष्टाचार को लेकर आरोप लगाते हैं, लेकिन अगर वह बीजेपी जॉइन कर ले तो उसके सारे पाप माफ हो जाते हैं। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा बोले- नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी से 55-55 घंटे पूछताछ की। उन्हें परेशान किया गया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्थिति साफ कर दी। सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने उस वक्त भी कहा था कि यह ईडी का मामला नहीं बनता है। उन्होंने कहा था कि केवल डराने और धमकाने के लिए, राजनीतिक षड्यंत्र के आधार पर यह मुकदमा चालू किया गया है। सत्य की जीत होगी और षड्यंत्र हारेगा। परसों फैसला आया, आपने देखा होगा जज ने चार-पांच तारीख के लिए और फैसला नहीं सुनाया। दबाव था, लेकिन उसने दबाव नहीं माना और उन्होंने यह फैसला कर दिया कि ईडी का केस बनता ही नहीं है।

सुन्नी दावते इस्लामी युवाओं को देश व समाज की तरक्की के लिए करेगी जागरूक

-जश्ने ईद मिलादुन्नबी एवं उर्से ख्वाजा गरीब नवाज इज्तेमा 24 को

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सुन्नी दावते इस्लामी की ओर से 1500वां जश्ने ईद मिलादुन्नबी एवं 814वां उर्से ख्वाजा गरीब नवाज समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। जिसमें देशभर से इस्लामिक विद्वान आएंगे तथा विषयवार व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम आयोजक मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी ने बताया कि 24 दिसंबर को शाम 7 बजे आरएसी रोड, तोपखाना घाटगेट पर आयोजित जश्ने गरीब नवाज मुफ्ती-ए-जयपुर शहर मौलाना मुफ्ती अब्दुस्सत्तार रजवी साहब की सरपरस्ती में आयोजित होगा। जिसमें मुख्य अतिथि मौलाना मुहम्मद शाकिर अली नूरी साहब अमीर सुन्नी दावते इस्लामी (मुम्बई) ख्वाजा गरीब नवाज की जीवनी पर प्रकाश डालेंगे। मुख्य वक्ता आले रसूल अल्हाज मौलाना सय्यद अमीनुल कादरी साहब किब्ला (मालेगांव) इस्लाम की बुनियादी व अखलाकी तालीम को आम करना और समाज में मॉडर्न एजुकेशन पर विस्तार से प्रकाश डालेंगे। इसी प्रकार आले रसूल अल्हाज मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी साहब (जयपुर) हिंदुस्तान सूफी विचारधाराओं औलिया अल्लाह ख्वाजा गरीब नवाज के मानने वालों का है, इसमें सूफी विचार व औलिया अल्लाह की सुफिज्म शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। युवाओं को समाज सेवा के कामों के लिए जागरूक करना, देश व समाज की तरक्की और खुशहाली के लिए हर संभव प्रयास करना संबंधी विषय पर विस्तार से व्याख्यान देंगे। इज्तेमा की निजामत मौलाना कारी वली मुहम्मद शेरी करेंगे। कारी जाहिद हुसैन नूरी की कयादत में आयोजित इस सुन्नी इज्तेमा का सलातो सलाम व खुसूसी दुआ के साथ समापन होगा।

जयपुर रसद अधिकारी ने 546 गैस सिलेंडर जब्त किए

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला रसद अधिकारी प्रथम ने जयपुर में अवैध गैस रिफिलिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ऑपरेशन प्रवर्तन के तहत प्राप्त सूचना के आधार पर जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम द्वारा तत्काल दो विशेष सतर्कता दलों का गठन किया गया। जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण के नेतृत्व में गठित इन सतर्कता दलों द्वारा जयपुर शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध गैस रिफिलिंग के मामलों का पर्दाफाश किया गया। प्रथम सतर्कता दल द्वारा सत्यम रेजिडेंसी के पास, जगतपुरा वार्ड संख्या 68 जयपुर में दबिश दी गई। मौके पर अवैध गैस रिफिलिंग करते हुए कुल 441 कॉमर्शियल गैस सिलेंडर जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान हिंदुस्तान पेट्रोलियम अंकित एक ट्रक से भारत पेट्रोलियम के 322 भरे हुए सिलेंडर, एक पिकअप वाहन से 13, एक अल्टो कार से 03, एक कमरे से 10 तथा एक पेड़ के नीचे जमीन पर रखे 93 कॉमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद किए गए। मौके पर एचपीसीएल एवं बीपीसीएल दोनों कंपनियों के सिलेंडर पाए गए। इसके अतिरिक्त मौके से 03 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया तथा 03 मोबाइल फोन, 01 भट्टी, 02 रबर पाइप एवं 02 रेगुलेटर जब्त किए गए। द्वितीय सतर्कता दल द्वारा बड़ा रामद्वारा, सांगानेर जयपुर में दबिश दी गई। यहां से 21 घरेलू एवं 84 कॉमर्शियल गैस सिलेंडर, कुल 105 सिलेंडर जब्त किए गए। साथ ही अवैध रिफिलिंग में प्रयुक्त सामग्री 05 रेगुलेटर, 02 रबर पाइप, 01 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 01 भट्टी, 02 रिफिलिंग बॉसूरी तथा सांगानेर गैस एजेंसी के बिल वाउचर भी जब्त किए गए। इस प्रकरण में 01 व्यक्ति को मौके से पकड़ा गया। दोनों कार्रवाइयों के दौरान कुल 546 घरेलू एवं कॉमर्शियल गैस सिलेंडर, 01 पिकअप वाहन, 01 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 02 रिफिलिंग बांसुरी, 07 रेगुलेटर, 02 भट्टी एवं 04 रबर पाइप जब्त किए गए। साथ ही मौके से कुल 04 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि अवैध गैस रिफिलिंग न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि जन सुरक्षा के लिए भी अत्यंत घातक है। इस प्रकार की गतिविधियों के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

विधायक रफीक खान की पहल पर स्नान गृह का जीर्णोद्धार शुरू

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आदर्श नगर विधायक रफीक खान के निर्देशों पर वार्ड 129, आमागढ़ स्थित वैधपुरी में बरसाना ग्लास हाउस के सामने स्नान गृह के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू कर दिया गया है। विधायक की इस पहल से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर है। जनसेवक महेश कुमार सांवरिया ने बताया कि क्षेत्रवासी इस समस्या से परेशान थे, जिस पर विधायक ने संवेदनशीलता दिखाते हुए काम शुरू करवाया है। महेश कुमार सांवरिया ने विधायक रफीक खान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे हमेशा जनता की सेवा में तत्पर रहते हैं और उम्मीद है कि आगे भी क्षेत्र में ऐसे ही विकास कार्य जारी रहेंगे।

पैगंबर मोहम्मद के 41वें वंशज से मिले पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों पश्चिम एशिया और अफ्रीका के अहम दौरे पर हैं। इस यात्रा के पहले पड़ाव पर वे जॉर्डन पहुंचे, जहां उनका भव्य और शाही स्वागत किया गया। जॉर्डन के शासक किंग अब्दुल्ला द्वितीय ने जिस आत्मीयता और गरिमा के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया, उसने लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक ही सवाल गूंजने लगा, कौन हैं किंग अब्दुल्ला द्वितीय, जिनका संबंध सीधे पैगंबर मोहम्मद से बताया जाता है?

पैगंबर मोहम्मद के वंशज हैं किंग अब्दुल्ला द्वितीय-

किंग अब्दुल्ला द्वितीय जॉर्डन के हाशमी शाही परिवार से आते हैं। हाशमी वंश को इस्लामी इतिहास में विशेष स्थान प्राप्त है। यह वंश पैगंबर मोहम्मद के परदादा हाशिम बिन अब्द मुनाफ से जुड़ा है। हाशमी परिवार पैगंबर मोहम्मद की बेटी फातिमा और उनके पति हज़रत अली के जरिए उनके वंशज माने जाते हैं। इस कारण किंग अब्दुल्ला द्वितीय को पैगंबर मोहम्मद का 41वां प्रत्यक्ष वंशज माना जाता है।

मक्का से जॉर्डन तक शाही सफर-

हाशमी परिवार ने सदियों तक सऊदी अरब के हिजाज़ क्षेत्र और मक्का पर शासन किया। वर्ष 1201 से 1925 तक इस परिवार का मक्का पर प्रभाव रहा। साल 1916 में ग्रेट अरब विद्रोह के दौरान किंग अब्दुल्ला द्वितीय के परदादा शरीफ हुसैन बिन अली ने उस्मानी शासन के खिलाफ बगावत का नेतृत्व किया। इसी संघर्ष के बाद आधुनिक अरब राज्यों की नींव पड़ी।

जॉर्डन की स्थापना और सत्ता की विरासत-

साल 1921 में ट्रांसजॉर्डन अमीरात की स्थापना हुई और 1946 में यह स्वतंत्र होकर हाशमी किंगडम ऑफ जॉर्डन बना। देश के पहले शासक बने किंग अब्दुल्ला प्रथम, जिन्होंने आधुनिक जॉर्डन की राजनीतिक और संवैधानिक नींव रखी। 1951 में उनकी हत्या के बाद सत्ता उनके बेटे किंग तलाल और फिर किंग हुसैन के पास आई।

शांति समिति की बैठक में निशात हुसैन को किया सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नगर निगम हेरिटेज सभागार में शांति समिति की बैठक गुरुवार 17 दिसंबर को सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत सर्व प्रथम सभी सदस्यों के परिचय से शुरू हुई। बैठक में मुख्य रूप से ट्रैफिक व्यवस्था, अतिक्रमण, नशा मुक्ति एवं शांति व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। सभी सदस्यों से शांति व्यवस्था को लेकर सुझाव मांगे गए। सदस्यों ने अपनी-अपनी बात बैठक में रखी। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने सभी के विचार सुनकर आश्वस्त किया कि बेहतर पुलिसिंग के माध्यम से सभी बातों पर ध्यान दिया जाएगा । शांति समिति की बैठक में निशात हुसैन को फूलों का गुल दस्ता देकर सम्मानित किया गया । बैठक की अध्यक्षता पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने की । इस बैठक में शांति समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे ।

भ्रष्टाचार के आरोप में दोषी पटवारी आनन्द बिहारी ओझा बर्खास्त

- जिला कलक्टर डॉ.जितेन्द्र कुमार सोनी ने जारी किए आदेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भ्रष्टाचार के मामले में दोष सिद्ध होने पर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सख्त कार्रवाई करते हुए तत्कालीन पटवारी आनन्द बिहारी ओझा को राज्य सेवा से बर्खास्त करने के आदेश जारी किए हैं। न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम क्रमांक-01, जयपुर महानगर द्वितीय द्वारा प्रकरण संख्या 07/2017 (एफआईआर संख्या 343/2015) राजस्थान राज्य बनाम आनन्द बिहारी ओझा में दोष सिद्ध होने पर ओझा को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के अंतर्गत 03 वर्ष का साधारण कारावास एवं 10,000 रुपये अर्थदंड तथा धारा 13(1) सहपठित धारा 13(2) के अंतर्गत 04 वर्ष का साधारण कारावास एवं 10,000 रुपये अर्थदंड से दण्डित किया गया। उक्त न्यायिक निर्णय के अनुसरण में तथा राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 1958 के नियम 16 के अंतर्गत समानांतर विभागीय जांच में दोष सिद्ध होने पर जिला प्रशासन द्वारा ओझा को राज्य सेवा से पृथक किया गया है।

मनरेगा ख़त्म करने के विरोध में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राजस्थान ज़िला परिषद के तत्वावधान में नईमुद्दीन आकिल, सचिव भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सान्निध्य में सभी साथियों के साथ केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा ख़त्म करने के विरोध में वी बी जी रामजी बिल के खिलाफ राष्ट्रीय आह्वान के तहत सोमवार 22 दिसंबर को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया।

चारदीवारी–आमेर में रोक के खिलाफ ई-रिक्शा चक्का जाम

-जयपुर ट्रैफिक अलर्ट, पर्यटक बसों का रूट बदला, सांगानेरी गेट से एंट्री–रामगढ़ मोड़ से एग्जिट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर में ई-रिक्शा बैन पर विरोध तेज हो गया है। चारदीवारी और आमेर क्षेत्र में रोक के खिलाफ ई-रिक्शा संचालकों ने चक्काजाम कर दिया। आमेर रोड पर संचालकों के बड़े प्रदर्शन के कारण यातायात प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने पर्यटन सीजन को देखते हुए ट्रैफिक प्लान सख्त कर दिया है। 10 जनवरी तक ई-रिक्शा और हल्के वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। जयपुर ट्रैफिक अलर्ट के अनुसार पर्यटक बसों का रूट भी बदला गया है, अब बसों की सांगानेरी गेट से एंट्री और रामगढ़ मोड़ से एग्जिट होगी।

मोबाइल के ज़्यादा इस्तेमाल से नुकसान

आजकल मोबाइल फोन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है । मोबाइल के प्रयोग से आपसी संवाद, शिक्षा और मनोरंजन के जितने फायदे हैं उससे ज़्यादा नुकसान भी समाज में दिखाई देने लगे हैं। ज़रूरत से ज़्यादा मोबाइल का इस्तेमाल हमारी मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नुकसान करना शुरू कर सकता है । हमारे समाज के युवाओं को मोबाइल की लत लग चुकी है। युवाओं में एवं मोबाइल ज़्यादा इस्तेमाल करने वालों में तनाव का बढ़ना, नींद का कम आना या नींद नहीं आना, शरीर में हार्मोन्स का संतुलन बिगड़ जाना, शरीर में रेडिएशन बढ़ने से कैंसर होना आमतौर से दिखाई देने लगा है । इसके अलावा हमारी युवा पीढ़ी मोबाइल के ज़्यादा इस्तेमाल से अवसाद (Depression) का शिकार होती जा रही है । मोबाइल का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं, रात-रात भर जाग रहे हैं । युवा मोबाइल ज़्यादा देखने से मानसिक और शारीरिक कमज़ोरी का शिकार हो रहे हैं । यही कारण है कि युवाओं का वैवाहिक जीवन खतरे में पड़ने की शिकायत लगातार आने लगी है । मोबाइल का ज़्यादा इस्तेमाल युवाओं को वैवाहिक विफलता की ओर ले जा रहा है । इसलिए इस समस्या से छुटकारा पाना बहुत जरूरी होता है । इस समस्या के समाधान के लिए और अपनी व्यक्तिगत समस्या के लिए बिना झिझक (पूर्ण गोपनीय) हमसे मिला जा सकता है । हमारे यहां कुशल विशेषज्ञों द्वारा मुफ्त परामर्श दिया जाता है । हमारा उद्देश्य: स्वस्थ युवा - स्वस्थ समाज और स्वस्थ भारत है ।

-बी. उस्मानी

9721108030/99180200 20

अल्पसंख्यक मुस्लिम एजुकेशनल हॉस्टल एण्ड वेलफेयर फाउंडेशन की बैठक आयोजित

कोटा (रॉयल पत्रिका)। अल्पसंख्यक मुस्लिम एजुकेशन हॉस्टल एण्ड वेलफेयर फाउंडेशन (हॉस्टल तामीरी महिम) की प्रदेश स्तरीय मीटिंग 5-B-15 विज्ञान नगर थाने के सामने, विज्ञान नगर कोटा, मुहिम हॉस्टल पर मुनक़्क़ीद की गई। मीटिंग की शुरुआत तिलावत ए कुरान से की गई। ट्रस्ट के सदर खुर्शीद अनवर ने ट्रस्ट की मेंबरशिप को बढ़ाकर 5000 मेम्बर्स करने की राय पेश की जिस पर सभी सदस्यों ने इस फैसले की हिमायत की, साथ ही उन्होंने कहा कि हर साल 5000 मेंबर्स से एक निर्धारित राशि एकत्रित करने व हर मेंबर 10 लोगों से दो-दो हज़ार रुपये की इमदाद करवाए, सभी नए मेंबर को मुहिम के जरिए मेंबरशिप सर्टिफिकेट व मेंबरशिप आईडी दी जाएगी। मुहिम हॉस्टल कोटा में ग्राउंड फ्लोर की खाली जगह में क्लासरूम बनाए जाएंगे जिन में टोंक मोडल पर कंप्यूटर कोर्सेज, टेली, ग्राफिक डिजाइनिंग, प्रोफेशनल कोर्सेज कराए जाएंगे जिन से कौम के बेरोजगार स्टूडेंट को रोजगार मिल सके बड़ी कंपनियों में प्लेसमेंट दिलवाया जा सके, कॉम्पिटिशन क्लासेज के लिए क्लासरूम लाइब्रेरी भी कायम की जाएगी ग्राउंड फ्लोर पर आधुनिक मेस बनाई जाएगी। मुहिम के जरिए राजस्थान में सभी ब्लॉकों में ब्लॉक मेंबर्स की मदद से कोचिंग वह लाइब्रेरी कायम की जाएगी। सभी ब्लॉक में एवारनेस प्रोग्राम चलाए जाएंगे। आगामी 15 दिनों में ट्रस्ट के सभी ट्रस्टीयों की दोबारा मीटिंग बुलाई जा कर जरूरी मसलों पर राय मशवरा किया जाएगा व बड़ी जिम्मेदारी दी जायगी ऐसा फैसला अमल में लाया जायगा जिससे जिससे कर्ज की अदायगी दो-तीन माह में की जा सके। प्रोग्राम को आगे बढ़ते हुए ट्रस्टी मोहब्बत अली प्रिंसिपल शाहपुरा व सलीम अब्बासी ने तालीम को बढ़ावा पर जोर दिया । मेहमूद अहमद रज़ा कोषाध्यक्ष के जरिए ट्रस्ट का हिसाब सत्र वाइस 2020-21से 2024-25 तक पेश किया गया व चालू वित्तीय वर्ष नवंबर 2025 तक का हिसाब भी दिया गया। बैठक में मौजूद लोगों को हिसाब की फाइल ऑडिट रिपोर्ट लेजर बिल वाउचर दिखाकर हिसाब सत्र वाइज हिसाब पेश किया गया।कोषाध्यक्ष ने सभी ट्रस्टी और मेंबर्स से जल्द से जल्द कर्ज-ए-हसना को चुकाने की अपील की है प्रोग्राम के आखिर में कोटा रेंज पुलिस कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़ में हेड कांस्टेबल से ASI व ASI से SI बने 25 थाना अधिकारियों को मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर इस्तकबाल किया गया। प्रोग्राम में मोहम्मद मियां आरिफ कुरेशी ट्रस्टी (डूंगरपुर) शेर मोहम्मद झालावाड़, अतिरिक्त प्रशाशनिक अधिकारी मुश्ताक़ अहमद, खालिद शेख़, मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट से हयात खान, जाकिर भाई, इमाम हुसैन, मुख्तार अंसारी व AMP चैप्टर हेड कोटा कमरूज्जमा, लईक हसन जयपुर, डॉक्टर नासिर खान, डॉक्टर मज़हर, सब इंस्पेक्टर शबाना, मुक़ीम भाई, जावेद अहमद (बारां) व प्रदेश भर से मेंबर्स ने शिरकत की।प्रोग्राम के आखिर में मुहिम हॉस्टल जिम्मेदार मोहम्मद हुसैन ने आए हुए सभी मेहमानों का शुक्रिया अदा किया।

उम्मीद पोर्टल पर चढ़ी हुई संपत्तियों के संशोधन के लिए विशेष शिविर 24 को

बारां (रॉयल पत्रिका)। वक्फ कमेटी बारां के प्रवक्ता शोएब अख़्तर ने बताया कि राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फस जयपुर द्वारा राज्य की तमाम वक्फ कमेटियों को लेटर जारी कर बताया कि उम्मीद पोर्टल पर चढ़ी हुई वक्फ संपत्तियों में रही कुछ खामियों ओर उनसे संबंधित संशोधन के लिए राजस्थान वक्फ बोर्ड द्वारा जिलेवार शिविर का आयोजन किया जाएगा। उसी क्रम में 24 दिसंबर 2025 बुधवार को कार्यालय वक्फ कमेटी बारां में चेयरमैन इरफान अंसारी की सदारत में शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में राजस्थान वक्फ बोर्ड से जिला प्रभारी अब्दुल हफीज भी मौजूद रहेंगे। चेयरमैन

इरफान अंसारी ने बताया कि 24 दिसंबर को आयोजित होने वाले शिविर के लिए तमाम तैयारियां पूर्ण कर ली गई है, जिसमें वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने वाली पूरी टीम शिविर में मौजूद रहेंगी।

झालरापाटन नगर पालिका के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

-मोहम्मदी नगर कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने से लोग परेशान

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। झालरापाटन स्थित मोहम्मदी नगर कॉलोनीवासियों कि समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष मोहम्मद खालिद अन्य पार्षदो के साथ प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन। गौरतलब है कि कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने से कॉलोनीवासियों को आ रही परेशानी, कांग्रेस के पार्षदो के तत्वावधान में एकत्र हुए। और प्रदर्शन किया। बाय पास रोड़ पर बीएसएनएल ऑफिस के सामने लगभग नब्बे प्रतिशत बस चुकी आवासीय कॉलोनी जिसके बाशिंदे मूलभूत सुविधाओ को लेकर तरस रहे है। नेता प्रतिपक्ष मोहम्मद खालिद ने बताया कि मोहम्मदी नगर कॉलोनी करीब 15 वर्ष पहले बसी थी। इस कॉलोनी में 90 प्रतिशत लोगों ने मकान का निर्माण कर लिया है। शेष कई भूखंडों पर भी मकान निर्माणाधीन है, लेकिन कॉलोनी में अभी तक नालियों का निर्माण नहीं कराया गया है।जिससे नालियां नहीं होने से लोगों के घरों से निकलने वाला सारा पानी सड़क पर आ जाता है वही पीने के पानी की लाइन भी अब तक नही है । कॉलोनी निवासी मोहम्मद अख़लाक़ गौरी ने बताया की पानी की पाइपलाइन नहीं होने से लोगों के लिए पीने के पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। वर्तमान में लोगों को नलकूप और ट्यूबवेल का पानी काम में लेना पड़ रहा है। जो कि अधिकतर ट्यूबवेल में पीने योग्य नहीं है। इसके कारण कई घरों में लोगो को पेट दर्द की शिकायत बनी रहती है। कॉलोनी में नालियां नहीं होने से लोगों के घरों से निकलने वाला सारा पानी बारिश का कीचड़ सड़क पर आ जाता है। कॉलोनी में रोड़ लाइट की सुविधा कई जगह नही है रोड़ लाइट की केबल नही होने से लाइट नही लगाई गई जिससे अंधेरे में कॉलोनीवासी रहने को मजबूर हो रहे है। प्रदर्शन करने वालो में उपस्थित रहे। पार्षद रिजवान अहमद, पार्षद नवीन मेघवाल,मोहम्मद क़ासिम भट्टी, बालचंद रावल सहित कॉलोनी के निवासी मोहम्मद अख़लाक़ गोरी मकसूद भाई अंसारी, मुशताक रंगरेज़, जाकिर तंवर .शोएब कुरैशी मौलाना जुबेर आरिफ गोरी...इबादुर्र रहमान कुरैशी, असरार गोरी, आशिफ अंसारी, शौकत भाई.सलाम, अशरफ पठान, पप्पू पठान,की अगुवाई में कॉलोनी निवासियों ने समस्याओं को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

थाना प्रभारी राजेंद्र मीणा को कस्बे के लोगों ने दी विदाई

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत राजेंद्र प्रसाद मीणा थाना प्रभारी स्थानांतरण अब एसपी ऑफिस डीएसटी पद पर किया गया। मीणा ने थाना परिसर में पेड़-पौधे लगवाए, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की और चारदीवारी का निर्माण भी करवाया। स्थानीय नागरिकों और सहयोगी स्टाफ ने उनके योगदान को बेहतर बताया। बुधवार को कस्बेवासियों एवं पुलिस। स्टाफ ने मीणा का जुलूस निकाल कर स्वागत किया।

पंचायत शाह समाज ने किया पार्षद शरीफ रंगरेज का स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका)। पंचायत शाह समाज बारां द्वारा मुस्लिम जमातखाने पर एक प्रोग्राम आयोजित किया । पंचायत के पूर्व सदर डॉ. वसीम अहमद शाह ने बताया कि पंचायत के सदर माशूक अली चिश्ती की सदारत में पार्षद रहते हुए वार्ड में रिकॉर्डतोड़ विकास कार्य करवाने पर पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज का माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर इस्तकबाल किया गया। पंचायत के उमर फारूक और शकील अहमद ने बताया कि श्रमिक कॉलोनी में बरसो पुरानी मांग, मुख्य सड़क बाबा फूलपीर जमातखाने से मोहम्मदी मस्जिद तक जो बरसों से निर्माण के इंतजार में था, उस कार्य को वार्ड नम्बर 44 के पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज द्वारा काफी जद्दोजहद करने के बाद पूरा करवाया जिससे कि श्रमिक कॉलोनी के निवासियों को काफी राहत मिली। शाह समाज द्वारा पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज के इस बेहतरीन कार्य की प्रशंसा करते हुए उनका इस्तकबाल किया गया। इस्तकबालिया प्रोग्राम में पश्चात समाज के सभी सदस्यों ने 5 अप्रैल 2026 को ऑल मुस्लिम इज्तेमाई निकाह सम्मेलन के जी एन कॉलेज ग्राउंड में करने का भी प्रस्ताव लिया, जिसका सभी सदस्यों ने समर्थन किया। इस दौरान समाज के जिम्मेदार लोग मौजूद रहे।

वाई जी एन कॉलेज व हुसैनी सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में नवनियुक्त जिलाध्यक्षों का किया स्वागत

कोटा (रॉयल पत्रिका)। वाई जी एन कॉलेज विज्ञान नगर व केंद्रीय हुसैनी सोसायटी के संयुक्त तत्वधान में अरशद अंसारी व राजा वारसी की तरफ से कांग्रेस द्वारा अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष व देहात अध्यक्ष नियुक्त हुए पदाधिकारियों का इस्तकबाल किया गया। कोटा शहर से मोहम्मद जुबेर, कोटा देहात से असरार अहमद, झालावाड़ से डॉक्टर जी एम सय्यद, बूंदी से जावेद जैड ओर बारां से अली हुसैन टीपू का इस्तकबाल किया गया। साथ ही कैथून निवासी महिला जो देहली में गुम हो गई थी जिसे कोटा वापस लाने पर जाहिद निजामी मस्तान का इस्तकबाल किया गया। वाई जी एन कॉलेज व हुसैनी सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में नवनियुक्त जिलाध्यक्षों का किया स्वागत.docxइस मौके पर वाई जी एन एजुकेशन ग्रुप के अध्यक्ष अरशद अंसारी, हुसैनी सोसाइटी के अध्यक्ष राजा वारसी, अंसारी वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष सिराज अहमद अंसारी, शाहनवाज, तोसिफ आदि लोग उपस्थित रहे।

राजकीय महाविद्यालय में इनरव्हील क्लब के तत्वावधान में एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन हुआ

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। राजकीय महाविद्यालय में इनरव्हील क्लब ने एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। जिसमें विद्यार्थियों को घरेलू उद्योग से जुड़ी विभिन्न विधाओं की जानकारी दी गई। क्लब अध्यक्ष नीतू गुप्ता ने बताया कि इस प्रशिक्षण सत्र में कुकिंग, हैंडमेड ज्वेलरी, गिफ्ट पैकिंग, क्रोशिया जैसी विधाओं का व्यावहारिक ज्ञान महिलाओं द्वारा कॉलेज के छात्र-छात्राओं को दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका उर्मिला जैन भाया ने निभाई। बारां की संगीता कासलीवाल, जो घर पर बनाए जाने वाले मीठे व नमकीन व्यंजनों के माध्यम से अपनी पहचान बना चुकी हैं, ने कुकिंग से जुड़े अनुभव साझा किए। वहीं लवली खंडेलवाल ने हैंडमेड ज्वेलरी डिजाइन कर घर से ही रोजगार स्थापित करने की जानकारी दी। श्वेता मित्तल ने रीति-रिवाजों से संबंधित गिफ्ट पैकिंग के बारे में बताया और कहा कि जो सेवाएं पहले कोटा जाकर लेनी पड़ती थीं, वे अब बारां में ही उपलब्ध हैं। मनीषा गोयल ने प्राचीन क्रोशिया विधा से घर बैठे श्रीजी के वस्त्र निर्माण की जानकारी दी। राजकीय महाविद्यालय में इनरव्हील क्लब के तत्वावधान में एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन हुआ.docxइनरव्हील क्लब की बिंदु मारू ने बताया कि इन सभी गतिविधियों को घरेलू उद्योग के रूप में अपनाकर पुरुष महिला आत्मनिर्भर बन सकती हैं और जीवन-यापन कर सकती हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में त्रिशला जैन एवं चित्रा जैन की विशेष भूमिका रही। कॉलेज स्टाफ एवं विद्यार्थियों का पूर्ण सहयोग कार्यक्रम को प्राप्त हुआ।

प्रदेश सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित हुई रन फॉर विकसित राजस्थान

-चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, निकाली साइकिल रैली

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर प्रदेश सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार "रन फॉर विकसित राजस्थान" का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल से चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एडीएम अर्पिता सोनी, पंकज गुप्ता, बसंत शर्मा सहित अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रन को रवाना किया। रन मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल से शुरू होकर भरतीया अस्पताल, चंदनमल बहड़ सर्किल से होते हुए जिला स्टेडियम तक निकाली गई। इस अवसर पर विधायक सहारण ने कहा कि प्रदेश सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी, रोजगार एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए खेल, दौड़ जैसी शारीरिक गतिविधियां बेहद आवश्यक हैं। हम अपनी जीवनचर्या में नियमित रूप से इन गतिविधियों को शामिल करें। इस दौरान डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया, सीडीईओ संतोष महर्षि, सीएमएचओ डॉ. प्रदेश सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित हुई रन फॉर विकसित राजस्थान.docx मनोज शर्मा, पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील मेहरा, कोतवाल सुखराम चोटिया, भास्कर शर्मा, सुरेश सारस्वत, सीपी शर्मा, डीईओ प्रारंभिक ओमप्रकाश प्रजापत, जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत, शिशुपाल बुडानिया, सूर्यकांत चोटिया, विनय सोनी, सुनील ढाका, राजेन्द्र सिंह सहित पुलिसकर्मी, होमगार्ड, विद्यार्थी व अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। निकाली साइकिल रैली इसी मौके पर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद, जयपुर के निर्देशानुसार 'साइकिल पर संडे' कार्यक्रम के एक वर्ष के उपलक्ष में राष्ट्रव्यापी आयोजन के तहत साइकिल रैली निकाली गई। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया। साइकिल रैली जिला मुख्यालय पर मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल से शुरू होकर जिला स्टेडियम तक निकाली गई।

ह्यूमन वेलफेयर एंड एजूकेशन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। ह्यूमन वेलफेयर एंड एजूकेशन डेवलपमेंट सोसाइटी बूंदी के ज़ेरे अहतमाम एक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रविवार 21 दिसंबर 2025 को जमाअत खाना लुहारान में सम्पन्न हुआ। प्रोग्राम में एएमपी स्टेट हेड चांद मोहम्मद शेख, टोंक से खुर्शीद अहमद, एडवोकेट अंसार इन्दोरी, इंजीनियर ऐजाजुद्दीन अंसारी, अब्दुल क़ादिर और दीगर मेहमानान ने शिरकत फ़रमाई। 100 से ज़्यादा प्रतिभाओं को मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा की जानिब से सद्र इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी, ट्रेज़रर अब्दुल मजीद अंसारी और रिज़वानुद्दीन अंसारी ने दसवीं और बारहवीं के दो टॉपर्स छात्राओं को नक़द पुरस्कार दिया गया। सभी वक्ताओं ने अपने सम्बोधन में शिक्षा के महत्व पर विशेष ज़ोर दिया। प्रोग्राम का संचालन अनवार शेख और रईस मोहम्मद ने किया।

खान सुरक्षा महानिदेशालय, उदयपुर क्षेत्र के तत्वावधान में, हिन्दुस्तान जिंक की जावर माइन्स में 49वें खान सुरक्षा सप्ताह का सफलतापूर्वक भव्य समापन

-हिन्दुस्तान जिंक ने 49वें खान सुरक्षा सप्ताह में सुरक्षा और नवाचार को दिया बढ़ावा

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। खान सुरक्षा महानिदेशालय, उदयपुर क्षेत्र के तत्वावधान में, हिन्दस्तान जिंक की जावर माइन्स में 49वें खान सुरक्षा सप्ताह का सफलतापूर्वक भव्य समापन हुआ। उदयपुर के जावर माइन्स के जावर स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय सुरक्षित सांस, गर्मी से बचाव - सिलिकोसिस और हीट स्ट्रेस की रोकथाम था। इस आयोजन में क्षेत्र की 450 से अधिक खदानों और 900 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक ध्वजारोहण और सुरक्षा शपथ के साथ हुई। माइंस इंस्पेक्शन सप्ताह नवंबर 2025 में शुरू हुआ। ऑर्गेनाइज्ड सेक्टर की खदानों का इंस्पेक्शन 2 नवंबर से 8 नवंबर तक किया गया और अनऑर्गेनाइज्ड खदानों का इंस्पेक्शन 9 नवंबर से 15 नवंबर तक किया गया। 16 नवंबर 2025 को जावर माइंस में ट्रेड टेस्ट कॉम्पिटिशन ऑर्गनाइज किया गया। सभी ट्रेड टेस्ट कॉम्पिटिशन और अलग-अलग माइन कैटेगरी के प्राइज 18 दिसंबर 2025 को समापन समारोह में अतिथियों द्वारा दिए गए। समापन समारोह में मुख्य अतिथि आर.टी. मांडेकर, उप महानिदेशक (उत्तर पश्चिम क्षेत्र) टॉम मैथ्यू, निदेशक खान सुरक्षा, उदयपुर क्षेत्र, अरुण मिश्रा, सीईओ, हिन्दस्तान जिंक लिमिटेड, किशोर कुमार एस, सीओओ, हिन्दस्तान जिंक, विशाल गोयल, उप निदेशक उदयपुर क्षेत्र, लालूराम मीणा, मुख्य सचिव, जावर माइन मजदूर संघ, प्रकाश कुमार - खान सुरक्षा निदेशक (इलेक्ट्रिकल) - उत्तर पश्चिमी क्षेत्र, संदीप श्रीवास्तव - खान सुरक्षा निदेशक (मैकेनिकल), रघु मेरेगु - खान सुरक्षा निदेशक (इलेक्ट्रिकल),राजेश केसवानी - यूनिट हेड - जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड, सिरोही उपस्थित थे एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। माइंस सेफ्टी वीक ट्रेड टेस्ट में 12 ओपन-कास्ट और 16 अंडरग्राउंड ट्रेड में 330 से अधिक उम्मीदवारों ने प्रतिस्पर्धा की, जबकि अलग-अलग खानों की 15 फर्स्ट-एड टीमों ने आपातकालीन प्रतिक्रिया कौशल का प्रदर्शन किया। विशाल गोयल के अनुसार, इस प्रतियोगिता ने संगठित और असंगठित दोनों खनन क्षेत्रों के प्रतिभागियों को व्यावहारिक सुरक्षा और तकनीकी कौशल को बेहतर बनाने के लिए एक साथ लाया। विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 173 ट्रेड टेस्ट विजेताओं को सम्मानित किया गया और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता और कौशल का उत्सव मनाते हुए उन्हें पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने लगभग 50 स्टालों का उद्घाटन और अवलोकन किया। इन स्टालों पर खदानों में अपनाई जा रही नई तकनीकों, सर्वोत्तम प्रथाओं और कार्यस्थल की सुरक्षा से जुड़ी पहलों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में हिन्दस्तान जिंक के सीओओ किशोर कुमार एस ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखते हुए कर्मचारियों की सुरक्षा, क्षमता निर्माण और आपसी सहयोग के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम में हिन्दस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा कि, " हिन्दस्तान जिंक में, सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, और यह सिर्फ एक प्रोटोकॉल नहीं है, बल्कि हमारे संचालन के हर पहलू में गहराई से जुड़ा एक मुख्य मूल्य है। हम अपने सभी साइटों पर सुरक्षा, समावेशन और नवाचार के उच्चतम मानकों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और माइंस सेफ्टी वीक जैसी पहलें तैयारी, टीम वर्क और परिचालन उत्कृष्टता पर हमारे फोकस का शक्तिशाली प्रतिबिंब हैं। निरंतर सुधार, मजबूत शासन और नियामकों और उद्योग निकायों के साथ सहयोग के माध्यम से, हिंदुस्तान जिंक मजबूत, भविष्य के लिए तैयार संचालन बनाने का प्रयास करता है जहां हर शिफ्ट सुरक्षा के साथ शुरू और समाप्त होती है। इस साल सभी महिला टीमों और युवा पेशेवरों की उत्साही भागीदारी विशेष रूप से प्रेरणादायक है, क्योंकि यह हमारे सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करता है और पूरे संगठन में गर्व, स्वामित्व और उद्देश्य की गहरी भावना भी जगाता है।" कार्यक्रम में आर.टी. मांडेकर, डीडीजी, उत्तर-पश्चिम क्षेत्र ने कहा कि, "सुरक्षा और स्वास्थ्य हमारी मुख्य प्राथमिकताएं हैं, और भारत के खनन क्षेत्र ने पिछली सदी में हताहतों की दर को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह देखकर उत्साहजनक है कि खनिक सक्रिय रूप से उन्नत सुरक्षा प्रथाओं को अपना रहे हैं और निरंतर सुधार की संस्कृति को अपना रहे हैं। खान सुरक्षा महानिदेशालय हिन्दस्तान जिंक जैसे जिम्मेदार संगठनों के साथ मिलकर नवाचार को बढ़ावा देने, सुरक्षा मानकों को मजबूत करने और शून्य नुकसान के लक्ष्य की ओर सामूहिक रूप से बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है।" कर्मचारियों की टीमों ने सुरक्षा पर आधारित नाटकों और लोक नृत्यों के जरिए सुरक्षा संस्कृति का संदेश दिया। ध्वज का हस्तांतरणरू निरंतरता के प्रतीक के रूप में, खान सुरक्षा सप्ताह का झंडा जेके लक्ष्मी सीमेंट को सौंपा गया, जो अगले साल के कार्यक्रम की मेजबानी करेगा। हिन्दस्तान जिंक प्रबंधन, कर्मचारियों और यूनियन नेताओं ने सुरक्षा मानकों को बनाए रखने की शपथ ली। जावर ग्रुप ऑफ माइंस के आईबीयू-सीईओ अंशुल खंडेलवाल ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। 49वें माइंस सेफ्टी वीक ने डीजीएमएस के वार्षिक उद्देश्यों और हिंदुस्तान जिंक के सेफ्टी-फर्स्ट सिद्धांत को सफलतापूर्वक मजबूत किया। 50 से अधिक खदानों के भाग लेने और सैकड़ों श्रमिकों को सुरक्षा उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किए जाने के साथ, कार्यक्रम ने दिखाया कि सामूहिक सतर्कता सिलिकोसिस और हीट स्ट्रेस जैसे व्यावसायिक खतरों को कैसे रोक सकती है। हिन्दस्तान जिंक आने वाले साल में इस गति को बनाए रखेगा, और अगले आयोजन के लिए माइंस सेफ्टी वीक की जिम्मेदारी जेके लक्ष्मी सीमेंट को सौंपते हुए, जीरो-एक्सीडेंट ऑपरेशन और मजदूरों की भलाई को प्राथमिकता देना जारी रखेगा।

विभिन्न श्रेणी में ये माइंस रही विजेता-

क्लस्टर यशिका ग्रेनाइट आर 4 क्लस्टर, राजसमंद, सेमी-मैकेनाइज्ड ओपनकास्ट बी2 श्रेणी मेंताकड़िया का गुड़ा लाइमस्टोन खदान, अल्ट्राटेक बिड़ला व्हाइट, सेमी-मैकेनाइज्ड ओपनकास्ट बी1 श्रेणी में धनलक्ष्मी सोपस्टोन और डोलोमाइट खदान, खैतान बिजनेस कॉर्पोरेशन, मैनुअल अंडरग्राउंड बी3 श्रेणी मेंबेंड सोपस्टोन खदान, महावीर ट्रेडिंग कंपनी, अयस्क बेनिफिशिएशन प्लांटजावर माइंस, अयस्क बेनिफिशिएशन प्लांट हिन्दस्तान जिंक लिमिटेड, मैकेनाइज्ड ओपनकास्ट (मार्बल खदान) ए3 श्रेणी में मोरवाड़ मार्बल खदान, आरके मार्बल प्राइवेट लिमिटेड, मैकेनाइज्ड ओपनकास्ट (मार्बल खदान) ए2 श्रेणीमें पार्थिपुरा लाइमस्टोन खदान, इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड, मैकेनाइज्ड ओपनकास्ट (मार्बल खदान) ए1 श्रेणी में आदित्य लाइमस्टोन खदान, आदित्य सीमेंट वर्क्स, मेटालिफेरस मैकेनाइज्ड अंडरग्राउंड खदान में मोचिया लेड और जिंक खदान, हिन्दस्तान जिंक लिमिटेड।

अरावली बचाओ के लिए विरोध प्रदर्शन

-पैदल मार्च को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की शहीद भगत सिंह युवा क्रांति मंच ने

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर 24 दिसंबर को होने वालेअरावली बचाओ विरोध प्रदर्शन एवं पैदल मार्च हेतु स्थानीय होटल सनसिटी में शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच के माध्यम से अरावली बचाओ विरोध प्रदर्शन और पैदल मार्च हेतु प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया प्रेस कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता कर रहे थे भारतीय किसान यूनियन चूरू के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग ने बताया कि अरावली पर्वतमाला भारत की सबसे प्राचीन पर्वतमाला है सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशानुसार 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली की श्रृंखला में नहीं माना जाएगा अरावली पर्वत श्रृंखला राजस्थान हरियाणा पश्चिमी उत्तर प्रदेश गुजरात दिल्ली एनसीआर के लंबे तकरीबन 700 किलोमीटर एरिया में फैली हुई है फॉरेस्ट सर्वे ऑफ़ इंडिया के अनुसार 12081 मैप की गई पहाड़ियां में से सिर्फ 1048 पहाड़ियां ही 100 मीटर के बेंचमार्क में आती है इस निर्णय के अनुसार यदि अरावली की पहाड़ियों में खनन कार्य प्रारंभ हो गया तो अरावली अपनी पुरानी पर्वत श्रृंखला की निरंतरता को खो देगा और श्रृंखलाओं के बीच अंतराल पैदा हो जाएगा अरावली के खनन से धूल प्रदूषण पानी की कमी होगी जिससे पश्चिमी भारत के करोड़ों लोगों के जीवन पर संकट बना रहेगा पश्चिमी राजस्थान सूखे की मार से मर जाएगा तथा मरू प्रदेश का विस्तार दिल्ली एनसीआर और हरियाणा तक होने की संभावना हो जाएगी। मौसम आधारित खेती पर आधारित रहने वाला राजस्थान सूखे की मार झेलने पर मजबूर हो जाएगा। अरावली के खनन से औषधीय तत्व नष्ट हो जाएंगे बहुमूल्य धातुएं खत्म हो जाएंगी तथा वन्य जीव का आवास खत्म होने से मानव के साथ उनका संघर्ष होगा जो मानव जीवन प्राणी जगत के लिए खतरनाक साबित होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक एचएन हॉस्पिटल के संचालक डॉ. मुमताज अली ने बताया कि अरावली श्रृंखला हमारी प्राकृतिक धरोहर है सरकार को चाहिए कि अरावली का संरक्षण करें मानव और वन्य जीवो को एवं अरावली में उपस्थित मानव जीवन को बचाने वाली औषधि पौधों को भी बचाएं और उनका संरक्षण देकर बताएं की केंद्र एवं राज्य सरकार अपनी नैतिकता एवं राजधर्म को निभाएं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शहीद भगत सिंह क्रांतिकारी युवा मंच के जिला अध्यक्ष अनिल चौधरी ने बताया कि अरावली की सुरक्षा के लिए चिपको आंदोलन की तरह अरावली के प्रत्येक कन-कन और पत्थर से चिपकर एक बड़ा आंदोलन खड़ा करेंगे और सरकार को अरावली का संरक्षण करने के लिए झुकने पर मजबूर करेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजेश चौधरी ने बताया कि जिस तरह राजस्थान का मशहूर खिचड़ी आंदोलन हुआ था उसी तरीके से संपूर्ण राजस्थान में अरावली को लेकर अरावली बचाओ आंदोलन किया जाएगा अंकुश चौधरी ने अपील की 24 दिसंबर को सुबह 11:00 बजे लाल धर्म स्तूप स्थित इंद्रमणि पार्क से विरोध प्रदर्शन और पैदल यात्रा के रूप में जिला कलेक्ट्रेट तक पहुंचे तथा बड़ी संख्या में अरावली के संरक्षण हेतु पधारे। प्रेस कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम में विजेंद्र पूनिया राजेंद्र साहू अनिल चौधरी रोहित पूनिया महेंद्र सैनी कैलाश सैनी नर्सिंग अधीक्षक शिवम हॉस्पिटल और अखलाक खान सहित अनेक पदाधिकारी और युवा साथी मौजूद रहे।

जिला खेल स्टेडियम में स्पोर्ट्स स्कूल का उद्घाटन

-पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने की शिरकत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित जिला खेल स्टेडियम में रविवार को पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण एवं जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने नवनिर्मित स्पोर्ट्स स्कूल का उद्घाटन किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने संबोधित करते हुए कहा कि चूरू जिले में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं मंच उपलब्ध कराने की है। उन्होंने कहा कि शासन एवं प्रशासन खेलों के विकास के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। जिला प्रशासन द्वारा "एक पंचायत–एक खेल" जैसे नवाचारों के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला खेल स्टेडियम में स्थापित यह स्पोर्ट्स स्कूल आने वाले समय में जिले की खेल प्रतिभाओं के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगी। इससे खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक माहौल मिलेगा तथा वे राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन कर सकेंगे। विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि स्पोर्ट्स स्कूल की स्थापना से युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी और उन्हें करियर के नए अवसर मिलेंगे। जिले में स्पोर्ट्स स्कूल खेलों के विकास एवं युवाओं की प्रतिभा को निखारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शासन—प्रशासन के स्तर पर जिला खेल स्टेडियम व स्पोर्ट्स स्कूल में खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए अधिकतम प्रयास किए जाएंगे। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि जिला प्रशासन खेलों के विकास एवं खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिला प्रशासन एक पंचायत एक खेल के माध्यम से खेल प्रतिभाओं के लिए बेहतरीन अवसरों की दिशा में प्रयासरत है। जिला खेल स्टेडियम व राजगढ़ में स्थित खेल स्टेडियम को विश्वस्तरीय बनाने के लिए बेहतरीन विभागीय समन्वय के साथ त्वरित प्रयास किए जाएंगे। जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान एसडीएम सुनील कुमार, निवर्तमान जिला उप प्रमुख महेंद्र न्यौल, निवर्तमान प्रधान दीपचंद राहड़, वासुदेव चावला, चंद्राराम गुरी, बसंत शर्मा, ओम सारस्वत, अभिषेक चोटिया, सीताराम लुगरिया, धर्मेन्द्र राकसिया, नरेन्द्र सैनी, सुशील लाटा, भास्कर शर्मा, सुरेश सारस्वत, रचना कोठारी, सत्तार खान, पदमसिंह, श्रीराम पीपलवा, गोपाल बालाण, सुनील ढाका, मनीष, संदीप, आकाश सैनी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे। संचालन शिवकुमार शर्मा ने किया।

SDPI पाली जिला कमेटी ने महिला सम्मान के मुद्दे पर सशक्त उठाई आवाज

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला सचिव निज़ाम खान सिंधी के नेतृत्व में महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा महिला डॉक्टर के साथ किए गए अपमानजनक व्यवहार की कड़ी निंदा की गई। SDPI ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई, सार्वजनिक माफी और महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करने की मांग की है। SDPI हमेशा न्याय, संविधान और महिला सम्मान के साथ खड़ी रहेगी। इस कड़ी मे जिला अध्यक्ष सलमान मोयल जिला महासचिव शारुख अली, जिला सचिव निज़ाम खान सिंधी, जिला उपाध्यक्ष जाकिर हुसैन गौरी आदि मौजूद रहे।

सामाजिक बुराईयों को दूर करती है तालीम- मौलाना साजिद रिज़वी

-दरगाह रोशन अली शाह रहमतुल्लाह अलैह का 128 वां उर्स शुरु 101 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। उदयमन्दिर आसन स्थित हजरत रोशन अली शाह दुर्वेश रहमतुल्लाह अलैय के 128 वें उर्स के अन्तर्गत रात्रि में रोशन दुर्वेश चौक में इण्डियन जैन्टलमेन ग्रुप की ओर से तकरीर (धार्मिक व्याख्यान) एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ। प्रताप नगर फैजे आम मस्जिद के पेश इमाम मौलाना साजिद हुसैन रिज़वी ने 'इस्लाहे मआशरा' (समाज सुधार) विषय पर कहा कि हमें दीनी और दुनियावी तालीम (धार्मिक व सांसारिक शिक्षा) का पैगाम देते हुए समाज में लोगों को खासकर युवाओं को नशे एवं सामाजिक बुराईयों से दूर रहने के लिए जागरूक करना होगा। उदयमन्दिर मस्जिद के पेश इमाम मौलाना मोहम्मद इमरान मिस्बाही ने कहा कि हमें बच्चों को नमाज के साथ-साथ, लोगों की भलाई, आपसी मुहब्बत व मदरसे की तालीम के साथ ही हिन्दी, इंग्लिश, कम्प्यूटर और तरक्की के क्षेत्र के महारथी बनाना होगा। दरगाह कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद रमजान कुरैशी (भूरजी) ने कहा कि कार्यक्रम में नात खां अमान व हाफिज रेहान ने खुबसूरत नात पढी। इस मौके पर मदरसा रोशन इस्लामिया में पढने वाले 45 बच्चे व बच्चियों ने इस्लामिक सवाल-जवाब व नात शरीफ का बेहतरीन प्रदर्शन किया। मदरसे, स्कूल व कॉलेज में साल भर सराहनीय प्रदर्शन करने वाले, सरकारी नौकरी में चयनित तथा कार्यक्रम के अतिथियों, सहयोगियों सहित कुल 101 लोगों को मोमेंटो से सम्मानित किया गया। दरगाह कमेटी सचिव नईम मोहम्मद भाटी ने बताया कि प्रोग्राम में पीर नजमुद्दीन सुलेमानी चिश्ती अल फारूकी, कौम अब्बासियान के सदर अब्दुल रशीद अब्बासी, सचिव डॉ. निजामुद्दीन, उपाध्यक्ष अनवर अब्बासी, निजाम भाटी, गुलाम मोहम्मद (नगर निगम), पार्षद शेर मोहम्मद, पार्षद इरफान बेली, पार्षद फिरदौश, पार्षद प्रतिनिधि वसीम मामा, राजस्थान पुलिस के कम्पनी कमान्डर रोशन अब्बासी, सामूहिक शादियों के संयोजक बबलू सिराजुद्दीन, मदरसा सहप्रभारी अली मोहम्मद बेलिम, समाजसेवी लालजी, इण्डियन जैन्टलमेन ग्रुप के सदस्य सिकन्दर पंवार, सिकंदर भाटी, नवाज लंगा, जाकिर हुसैन, मौलाना जीशान, अकरम भाटी, रमजान पंवार, शहाबुद्दीन सैद, निसार बैलिम, निजामुद्दीन कुरैशी, बुंद्दू, आशिक मुल्लाजी, रमजान पवार, असलम भाटी, इकरामुद्दीन पवार तथा दरगाह के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण सहित अब्बासी समाज के बुजुर्ग, युवा, महिलाएं एवं आमजन मौजूद थे। अन्त में सलातोसलाम के बाद फातेहाखानी हुई और सभी को शिरनी बांटी गई। मुल्क में अम्नोशान्ति, खुशहाली व भाईचारे की दुआ कराई गई। संचालन मौलाना इमरान मिस्बाही व एडवोकेट लतीफ अब्बासी ने किया।

गिट्स एवं फ्यूज़न बिज़नेस सोलूशन्स प्राइवेट लिमिटेड में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सपोर्ट हेतु करार

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्निकल स्टडीज डबोक उदयपुर एवं प्रमुख एमएनसी कंपनी फ्यूज़न बिज़नेस सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सपोर्ट हेतु करार हुआ. यह करार में गीतांजलि ग्रुप की निदेशक मिस कनिका अग्रवाल एवं फ्यूज़न बिज़नेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड की सीईओ एवं संस्थापक मिस श्वेता दुबे के मध्य आवश्यक दस्तावेजों के आदान–प्रदान के माध्यम से संपन्न हुआ। संस्थान के निदेशक डॉ. एस एम प्रसन्ना कुमार ने बताया कि इस करार के अंतर्गत फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, एक्सपर्ट टॉक एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। साथ ही अत्याधुनिक प्रशिक्षण एवं विकास केंद्रों की स्थापना कर छात्रों और शिक्षकों को नवीन तकनीकों एवं व्यावसायिक कौशल से सुसज्जित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, नवाचार उद्यमिता एवं इनक्यूबेशन से संबंधित गतिविधियों में भी दोनों संस्थान मिलकर कार्य करेंगे। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट हेड डॉ. अरविन्द सिंह पेमावत ने इस समझौते को गिट्स के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को उद्योग–उन्मुख प्रशिक्षण एवं गुणवत्तापूर्ण प्लेसमेंट उपलब्ध कराएगा साथ ही विद्यार्थी इंडस्ट्रियल वातावरण से रूबरू होंगे। इस अवसर पर वित्त नियंत्रक बी एल जागिंड ने कहा कि इंडस्ट्री और एकेडेमिया के बीच की दूरी को कम करना आज की सबसे बड़ी चुनौती है, और यह साझेदारी उसी दिशा में एक सशक्त कदम है। इस कार्यक्रम में फ्यूज़न बिज़नेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट शक्ति सिंह शेखावत एवं कुलदीप भटनागर सहित दोनों ग्रुपस के प्रमुख मेंबर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर शैलजा राणावत द्वारा किया गया।

सांचौर शहर में चोरों की वारदातों से दहशत, एक ही रात में सात से अधिक स्थानों पर टूटे ताले

-व्यापारियों में पुलिस प्रशासन पर भारी रोष, कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

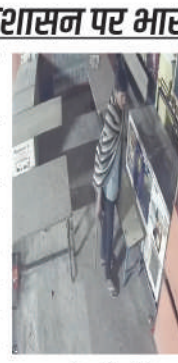

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। शहर में पिछले 10 दिन में चोरों की 10 से अधिक वारदातें सामने आने के बाद शहर की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हैं प्रतिदिन रात्रि में चोरों के हौसले बुलंद रात्रि को चोरों ने एक के बाद एक आठ दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। हैरानी की बात यह रही कि यह घटनाएं शहर के उन इलाकों में हुई जहां रात के समय में भी लोगों की आवा जाही बनी रहती हैं। सरकारी रोडवेज बस स्टैंड के पास और चार रास्ता रानीवाड़ा रोड क्षेत्र में बदमाशों ने लोहे के सरिया से ताले तोड़े चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई। जिसमें ताले तोड़ते नजर आ रहे हैं बेझिझक चोर, लेकिन इन चोरों को पुलिस का कोई खौफ नहीं हर रोज चोरियों की घटनाएं घटित हो रही हैं। जिसको लेकर ना तो पुलिस प्रशासन कोई ठोस कदम अपना रहा है ना ही कोई कार्रवाई हो रही है चोरी की नीयत से निकले बदमाश पूरी रात शहर में देखो घूमते रहे लेकिन हैरानी की बात यह है कि पुलिस गस्त का कोई भी जवान ना तो उन्हें देख पाया और नहीं पकड़ सका इससे आमजन में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। लगातार हो रही चोरियों की घटनाओं से लोग खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं शहर के सरकारी बस स्टैंड के आसपास केबिन में छोटी-छोटी दुकान चलाकर गुजर बसर करने वाले गरीब दुकानदारों को चोरों ने खास तौर पर निशाना बनाया।सांचौर शहर में चोरों की वारदातों से दहशत.docx बस स्टैंड क्षेत्र में करीब 7 दुकानों के ताले तोड़े गए जहां से नगदी और सामान चोरी कर लिया गया पीड़ित दुकानदारों में शंकर गवारिया,भगाराम गवारिया,मांगीलाल बिश्नोई,दिनेश गवारिया,गिरधारी सेन,मोटाराम प्रजापत सहित अन्य शामिल है चोर दुकानों से झाड़ू और खिलौने जैसे सामान भी उठा ले गए। लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों से शहर वीडियो में आक्रोश है और वह पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई, नियमित रात्रि गश्त और संदिग्धो पर कड़ी नजर रखने की मांग कर रहे हैं यदि जल्दी प्रभावित कम नहीं उठाए गए तो शहर की कानून व्यवस्था पर जनता का भरोसा और कमजोर हो जाएगा।

ग्राम सेहनाली बड़ी में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में स्वेटर वितरण किए गए

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सहनाली बड़ी में इंसानियत एकता सेवा समिति के तत्वावधान में रिटायर्ड थानेदार हाजी जोरावर खान के सौजन्य से 80 विद्यार्थियों को तथा विद्यालय स्टॉफ सदस्यों मुबारक खान, रामचंद्र मेघवाल, जीतू सिंह चारण, जयप्रकाश एंव सुरेश कुमार द्वारा 57 विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित की गईं। स्वेटर वितरण का यह नेक कार्य अध्यापक मुबारक खान की प्रेरणा से किया गया। इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान उर्दू ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही इंसान अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है। और शिक्षा ही एक ऐसी चीज है जिसका कभी बंटवारा नहीं हो सकता। मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने बताया कि इंसानियत एकता सेवा समिति द्वारा पिछले पांच वर्षों से सामाजिक सरोकार में विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान विद्यालय स्टॉफ में दुर्गा जी, बबिता जी, सरिता जी, कविता जी, कृष्णा जी, सुलोचना जी और इंसानियत एकता सेवा समिति के व्यवस्थापक जाफर खान आदि मौजूद रहे। संचालन नीरू ने किया। प्रधानाध्यापक रामचंद्र मेघवाल ने समिति का आभार व्यक्त किया।

सांचौर के पलादर ग्राम पंचायत में 7500 की आबादी पर खुद का जीएलआर नहीं, छोटी विरोल के भरोसे यहां जलापूर्ति

-जल जीवन मिशन घर-घर पेयजल योजना बिछाई गई पाइपलाइन घटिया गुणवत्ता की है ग्रामीणों का आरोप

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। जल जीवन मिशन के तहत घर-घर पेयजल पहुंचने के दावों की सच्चाई सांचौर क्षेत्र की पलादर ग्राम पंचायत में सवालों के घेरे में आ गई है जल भंडारण व वितरण के लिए आबादी के अनुपात में जीएलआर निर्माण को लेकर बड़ी अनियमितता सामने आई है 7500 से अधिक की आबादी वाली पंचायत में एक भी जीएलआर नहीं बनाया गया जबकि विभाग ने करीब 5 किलोमीटर दूर छोटी विरोल गांव में स्थित जीएलआर को तीन गांव की जलापूर्ति का केंद्र बना दिया है। ग्रामीणों के अनुसार छोटी विरोल बड़ी विरोल और पलादर तीनों गांव की आबादी को एक ही जीएलआर से जोड़ दिया गया है जबकि छोटी विरोल व बड़ी विरोल की आबादी ही करीब 15000 से अधिक बताई जा रही है ऐसे में तीन गांव के लिए एक ही टंकी से जलापूर्ति होने पर पेयजल संकट उत्पन्न होना तय हैं ग्रामीणों का कहना है कि पलादर की अधिकांश आबादी रेतीले धोरों और ऊंचाई वाले क्षेत्र में बसी हुई है इतनी दूरी से पानी पहुंचाना संभव नहीं है आरोप है कि विभाग ने पलादर में जीएलआर निर्माण की बजाय कारी 5 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन बिछा दी जिससे दूर दराज की ढाणीयो तक आबादी के अनुपात में पानी पहुंचना मुश्किल होगा। घटिया पाइपलाइन और अधूरे कनेक्शन ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि घर-घर जल कनेक्शन के लिए बिछाई की पाइपलाइन घटिया गुणवत्ता की है और तय मापदंडों के अनुरूप नहीं। कई घरों में पाईप पहुंचा दिए गए लेकिन नल नहीं लगाए गए जिससे योजना दूरी पड़ी है। शिकायतों के बावजूद विभाग के अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। भविष्य की जरूरततो पर संकट ग्रामीणों का कहना है कि जीएलआर एक दीर्घकालीन परियोजना होती है जो वर्षों तक चलती है लेकिन मौजूदा क्षमता न तो भविष्य में बढ़ने वाली आबादी और ना ही दूर दराज की ढाणियों की जरूरतो को पूरा कर पाएगी। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दबाव के साथ पानी पहुंचाना संभव नहीं होगा। ग्रामीणों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच पलादर ग्राम पंचायत में अलग से जीएलआर निर्माण और घटिया पाइपलाइन की गुणवत्ता जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है समय रहते समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी हैं।

खटारा वाहन बने चालकों के लिए जी का जंजाल, हो सकता है बड़ा हादसा- मुस्ताक खान

लाडनूं/डीडवाना (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी ने बताया कि कार्यालय अधिशासी अभियंता जन स्वा० अभि० विभाग खंड डीडवाना के अधीन सहायक अभियंता PHED उपखंड डीडवाना के अधीन एक करीब 40 साल पुराना वाहन जीप RJ 21 C 1493 है जिसका जिला परिवहन अधिकारी द्वारा दस्तावेज भी खारिज कर दिया गया है। इस वाहन को संबधित विभाग के अधिकारी अपनी मनमर्जी से वाहन चालक से इस खटारा वाहन को सड़कों पर दोड़ाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। जो नियमानुसार सरासर ग़लत है। इसी प्रकार से सहायक अभियंता PHED उपखंड लाडनूं के अधीन भी एक करीब 40 साल पुराना वाहन जीप RJ 21 C 0761 है जिसका भी जिला परिवहन अधिकारी द्वारा दस्तावेज भी खारिज कर दिया गया है। इस वाहन को संबधित विभाग के अधिकारी अपनी मनमर्जी से वाहन चालक से इस खटारा वाहन को सड़कों पर दोड़ाने के लिए मजबूर कर रहे हैं, जो नियमानुसार सरासर ग़लत है। जानकारी अनुसार उपरोक्त दोनों वाहन करीब 1992 माडल के बताए जा रहे हैं और उपरोक्त दोनों वाहन पुरी तरह से कबाड़ा बना हुआ है फिर भी संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अपनी लापरवाही को नजरंदाज करते हुए गैर कानूनी तरीके से उपरोक्त दोनों वाहनो को जबरदस्ती तरीके से सड़कों पर चलाने के लिए वाहन चालकों को परेशान करते रहते हैं। जबकि नियमानुसार वर्षों पुराने उपरोक्त दोनों खटारे वाहनो की निलामी कबाड़ खाने में अब तक हो जानी चाहिए थी जो नहीं हो रही है। उपरोक्त दोनों वाहनो का डीजल / मरम्मत आदी खर्चा यथावत जारी है। सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी ने दोनों विभागों के जिम्मेदार अधिकारी से वाहन चालकों सहित विभाग के हित से सार्वजनिक रूप से अपील करते हुए बताया है की उपरोक्त दोनों खटारा वाहनो का तुरंत प्रभाव से नियमानुसार ओक्शन (नकारा सामान का निस्तारण) किया जाना चाहिए तथा दोनों विभागों में नये वाहन खरीदें जाने चाहिए ताकि वाहन चालकों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या या परेशानी नहीं झेलनी पड़े। इसके लिए लाडनूं विधायक मुकेश भाकर, बीजेपी नेता करणी सिंह, डीडवाना विधायक युनूस खां और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल को भी आगे आकर यह मुद्दा अपने-अपने स्तर पर उठाया जाना चाहिए।

शौकत अंदाज पार्टी ने ईमान और सच्चाई का कव्वाली से दिया पैगाम

-हजरत रोशन अली शाह दुर्वेश उर्स का दूसरा दिन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। उदयमन्दिर आसन स्थित हजरत रोशन अली शाह दुर्वेश रहमतुल्लाह अलैय का 128 वाँ सालाना उर्स मुबारक बड़ी शानों शौकत व एहतराम के साथ शुरू हुआ। दरगाह कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद रमजान कुरैशी (भूरजी) ने कहा कि दरगाह कमेटी की जानिब से चादर व फूल पेशकर कर देश में अमन, चैन, भाईचारे की दुआएं मांगी गई। दरगाह कमेटी सचिव नईम मोहम्मद भाटी ने बताया कि उर्स के दूसरे दिन कव्वाल जफर अमीन साबरी एण्ड टीम और कव्वाल शौकत अंदाज व नदीम अंदाज ने मनमोहक कव्वालियां पेशकर समां बाँध दिया। अंदाज बंधु ने नातिया कलाम में कहा कि 'अल्लाह ने रसूल को कुरान दे दिया और हमको रसूले पाक ने ईमान दे दिया', 'जब से हम सच बोलने लगे है उस दिन से घर हमारे पत्थर बरसने लगे है।' सज्जादाह नशीन हजरत पीर नजमुद्दीन सुलेमानी चिश्ती अल फारूकी ने कहा कि समाज में शिक्षा की अलख जगानी होगी और कुरीतियों को मिटाना होगा। तभी समाज आगे बढ़ेगा। सभी मेहमानों का साफा व माला पहनाकर इस्तकबाल किया गया। इस दौरान दरगाह कमेटी के नायब सदर पिन्टू बैलिम, सहसचिव न्याज मोहम्मद भाटी, कैशियर अब्दुल हमीद पापाजी, प्रचार मंत्री शकील पंवार, सलाहकार मंत्री मुस्तफा मुगल, कमेटी सरपरस्त अब्दुल अजीज, अब्दुल रशीद बैलिम, सईद चौहान, कमेटी सदस्य फारूक बैग, सेमु सैद, पिन्टू बनाड, रोजी लंगा, अब्बास भाटी, हीरा कुरैशी, न्याज मोहम्मद, शाहरूख, हसन, रशीद पीर साहब, शकील पंवार, चांद लंगा, सिकन्दर सोलंकी सहित कमेटी के पदाधिकारी, समस्त सदस्यगण, कौम अब्बासियान से जुड़े बुजुर्ग, सरपरस्त, युवा एवं शहर व आस-पास के कई जायरीन मौजूद रहे।

सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह पर जायरीनों का आना शुरु

कपासन (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर रज्ज़ब माह की चाँद रात के मौके पर आशिके दीवाना व जायरीने दीवाना का उमड़ा जन सैलाब। दरगाह ऑफिस सैक्रेट्री शफी मोहम्मद छीपा के अनुसार रविवार को चन्द्र दर्शन के मौके पर सुबह से ही जायरीने दीवाना की आवक शुरू हो गई। दर्शन हेतु बुलन्द दरवाजा तक लम्बी-लम्बी कतारे लगी। मेला ग्राउण्ड मे 300 से उपर अस्थाई दुकाने लगी। मिलाद ख्वा हज़रात ने महफिले मिलाद पढ़ी व कव्वाल हज़रात ने बारी-बारी से अपने कलाम पेश कर दाद बटोरी। बुलन्द दरवाजा के बाहर पार्किंग स्थल वाहनो से सटा रहा। सांयकाल चिराग बत्ती के समय मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ की गई तो आमीन-आमीन की सदाओं से पुरा दरगाह परिसर गूंज उठा। इस माह मे अजमेर स्थित दरगाह हज़रत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती र.अ. के उर्स होने से दरगाह कपासन पर भी जायरीन की आवक जावक बनी रहेगी।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

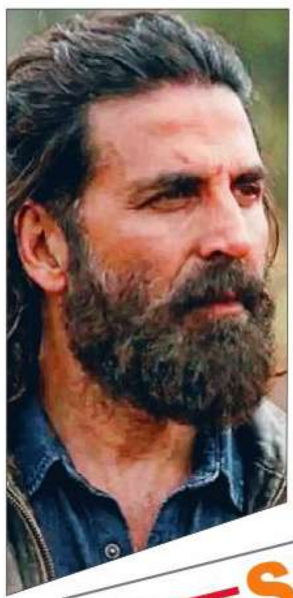

हैवान में खौफ पैदा करने वाले किरदार में आएंगे नजर...

मुंबई। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार एक बार फिर अपने ट्रांसफॉर्मेशन से सुर्खियों में हैं। इस बार वजह है निर्देशक प्रियदर्शन की अपकमिंग थ्रिलर फिल्म 'हैवान', जिसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान पहली बार इस अंदाज में आमने-सामने नजर आने वाले हैं। हाल ही में फिल्म से अक्षय कुमार का एक लीक लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त हलचल मचा दी है। इस फिल्म में अक्षय न तो हंसी का तड़का लगाते नजर आएंगे और न ही हल्के-फुल्के अंदाज में दिखेंगे, बल्कि वह एक गंभीर, रहस्यमयी और खौफ पैदा करने वाले किरदार में नजर आने वाले हैं।

लाइफ Style

तमन्ना

16 साल में डेब्यू, लेकिन राह आसान नहीं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

ग्लैमर, ग्रेस और गजब के आत्मविश्वास की मिसाल बन चुकी तमन्ना आज सिर्फ एक सफल अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक मल्टीटैलेंटेड आर्टिस्ट, फैशन आइकन और स्मार्ट एंटरप्रेन्योर के तौर पर भी पहचानी जाती हैं। तमन्ना आज उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में शुमार हैं जिन्होंने बॉलीवुड और साउथ, दोनों ही जगह अपना सिक्का जमाया है।

बेहद कम उम्र में इंडस्ट्री में कदम रखने वाली तमन्ना ने मेहनत, धैर्य और निरंतर सीखने की लगन से वो मुकाम हासिल किया है, जहां पहुंचना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। बचपन से ही उन्हें अभिनय और परफॉर्मिंग आर्ट्स में गहरी रुचि थी। महज 13 साल की उम्र में उन्होंने थिएटर और एक्टिंग की प्रोफेशनल ट्रेनिंग लेना शुरू कर दिया। पृथ्वी थिएटर में मंचीय अभिनय ने उनकी नींव मजबूत की, जिससे भावनाओं को पर्दे पर सहजता से उतारने की कला उन्होंने बहुत कम उम्र में सीख ली। तमन्ना ने साल 2005 में 16 साल की उम्र में हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से बॉलीवुड में कदम रखा। भले ही यह फिल्म उन्हें बड़ी पहचान न दिला पाई, लेकिन यहीं से उनके सपनों को उड़ान मिली। शुरुआती संघर्षों के बाद तमन्ना ने साउथ इंडस्ट्री का रुख किया और यही फैसला उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। तमिल और तेलुगु सिनेमा में तमन्ना ने एक के बाद एक हिट फिल्मों से खुद को टॉप एक्ट्रेसेज की लिस्ट में शामिल कर लिया। साउथ के दर्शकों ने उनकी मासूमियत, स्क्रीन प्रेजेंस और मेहनत को दिल से अपनाया। कुछ ही वर्षों में वह बड़े सितारों के साथ लीड रोल करने लगीं और ब्यूटी क्वीन का खिताब उनके नाम हो गया।

हॉलीवुड मसाला

सड़कों पर रहकर जिंदगी बिता रहा

लॉस एंजिल्स। एक समय था जब टायलर चेज टीवी स्क्रीन पर मासूम मुस्कान और चुलबुले अंदाज से दर्शकों का दिल जीतते थे। निकेलोडियन के मशहूर शो 'नेड्स डी-क्लासिफाइड स्कूल सर्वाइवल गाइड@ में मार्टिन का किरदार निभाकर उन्होंने बच्चों और युवाओं के बीच खास पहचान बनाई थी। लेकिन, आज वही चेहरा कैलिफोर्निया की सड़कों पर बदहाली की हालत में दिख रहा है, जिसे देखकर फैंस सदमे में हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ।

टॉम के लिए बेहद खास है स्पाइडरमैन- ब्रैंड न्यू डे

लॉस एंजिल्स। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के फैंस के लिए बड़ी खबर सामने आई है। टॉम हॉलैंड स्टारर 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' की शूटिंग पूरी कर ली गई है। लंबे समय से चर्चा में बनी इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। जैसे ही शूटिंग खत्म होने की पुष्टि हुई, सोशल मीडिया पर फैंस की एक्साइटमेंट साफ नजर आने लगी। यह फिल्म न सिर्फ स्पाइडर-मैन फ्रैंचाइजी का अगला अहम पड़ाव मानी जा रही है, बल्कि टॉम हॉलैंड के कॅरियर के लिए भी बेहद खास बताई जा रही है। फिल्म के निर्देशक डेस्टिन डैनियल क्रेटन ने खास तौर पर टॉम हॉलैंड की सराहना की। उन्होंने कहा कि टॉम सिर्फ स्क्रीन पर ही नहीं, बल्कि सेट के बाहर भी एक मजबूत लीडर की तरह टीम का मार्गदर्शन करते रहे।

टॉक्सिक का फर्स्ट लुक जारी...

मुंबई। यश की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' लंबे समय से चर्चा में है। इस मूवी को लेकर लोगों के बीच काफी बज बना हुआ है। कुछ समय पहले एक्टर का फर्स्ट लुक रिवील किया गया था, जो कि काफी दमदार था और इन्टेंस था। अब इसकी लीड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के किरदार नादिया का फर्स्ट लुक जारी किया गया है। जिसका पोस्टर एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। कियारा फिल्म 'टॉक्सिक' के पोस्टर में काले रंग के ऑफ-शोल्डर, थाई-हाई स्लिट गाउन में डांस फ्लोर पर स्पॉटलाइट के बीच खड़ी हैं और कैमरे से दूर, गहरी सोच में डूबी हुई नजरों से देख रही हैं। उनकी आंखों से आंसू बहते नजर आ रहे हैं। उनका लगभग गॉथिक लुक देखकर फैंस उनकी तुलना टिम बर्टन की फिल्मों के किरदारों और यहां तक कि डीसी कैरेक्टर हार्ली क्विन से कर रहे हैं।

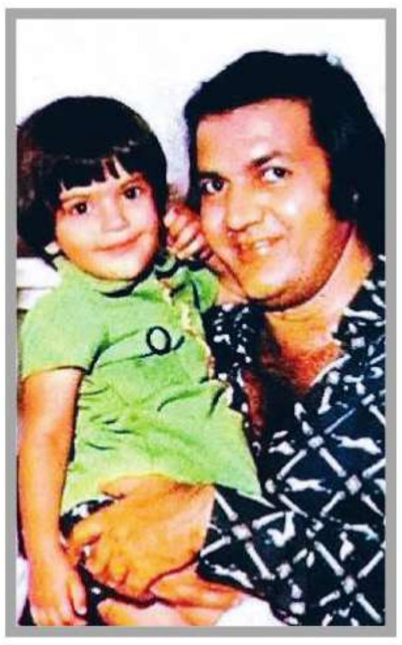

प्रेम की बेटी को स्कूल में चिढ़ाते थे बच्चे

नई दिल्ली। प्रेम चोपड़ा, इंडस्ट्री का वो नाम जिन्होंने हिंदी सिनेमा में कई दशक राज किया है। उन्होंने एक से एक रोल किए और खूब नाम कमाया। वह अपने करियर में ज्यादातर नेगेटिव रोल के जरिए पहचाने गए, मगर विलेन बनना इतना भी आसान नहीं होता, जितना अक्सर हमें लगता है। प्रेम चोपड़ा ने लेटेस्ट इंटरव्यू में नेगेटिव रोल के असर को लेकर बातचीत की। उन्होंने बताया कि किस तरह उनकी बेटी पर उनके खलनायक वाले रोल्स का असर पड़ता था। एक बार तो उनकी छोटी बेटी रकिता नंदा को सुनने को मिला था। बेटी ने उनसे शिकायत भी की थी। अरबाज खान के शो में प्रेम चोपड़ा ने बेटी रकिता की परेशानी पर खुलकर बातचीत की। उन्होंने बताया कि बेटी को लोग स्कूल में चिढ़ाते थे कि तुम्हारे पिता क्या काम करते हैं।

टीवी मसाला

'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' बोलने में अटके अमिताभ

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन के लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति सीजन 17' में कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपनी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' का प्रमोशन करने पहुंचे। इस दौरान अमिताभ बच्चन ने दोनों से कई मजेदार सवाल किए। कई दिलचस्प किस्से भी साझा किए गए। इस बीच एक पल ऐसा भी रहा, जब अमिताभ बच्चन इस फिल्म के नाम का उच्चारण कर रहे थे, मगर यह उनके लिए काफी मुश्किल रहा। रविवार को कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया है, जो केबीसी 17 के सेट की है। इसमें कार्तिक, अनन्या पांडे और अमिताभ बच्चन दिख रहे हैं। अमिताभ बच्चन कार्तिक की आगामी फिल्म के टाइटल का उच्चारण कर रहे हैं और बार-बार बोलते-बोलते अटक जाते हैं। कई प्रयास के बाद वे सही तरीके से नाम ले पाने में सफल होते हैं। समीर विद्वांस के निर्देशन में बनी कार्तिक और अनन्या की यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। आज साझा किए गए पोस्ट के साथ कार्तिक आर्यन ने काफी मजेदार कैप्शन लिखा है। उन्होंने लिखा है, 'कह दिया ना! बस!! कह दिया 25 दिसंबर।' इस पोस्ट पर नेटिजन्स के मजेदार रिएक्शन आ रहे हैं।

बादलों के ऊपर ले जाकर दिखाया चांद

नई दिल्ली। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकीं प्रियंका चोपड़ा हाल ही में कपिल शर्मा के शो में नजर आईं। देसी गर्ल ने यहां अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी कई बातें साझा कीं। प्रियंका और उनके पति निक जोनस अक्सर कपल गोल्स देने के लिए जाने जाते हैं। शो के दौरान प्रियंका ने अपने रिश्ते से जुड़ा एक ऐसा किस्सा साझा किया, जिसने फैंस का दिल जीत लिया। शो के दौरान प्रियंका ने बताया कि करवा चौथ के मौके पर उन्होंने और निक ने कई अजीब जगहों पर चांद देखने की कोशिश की है। एक बार निक का स्टेडियम में शो चल रहा था, हजारों लोग मौजूद थे, लेकिन मौसम खराब होने की वजह से चांद नजर ही नहीं आया। समय बीतता गया, रात गहराती गई, लेकिन बादलों के कारण चांद छिपा रहा। इसके बाद प्रियंका ने जो किस्सा सुनाया, वही इस एपिसोड का सबसे खास पल बन गया। उन्होंने बताया कि निक ने करवा चौथ को खास बनाने के लिए उन्हें एक प्लेन में बैठाया और बादलों के ऊपर ले गए। वहां जाकर प्रियंका ने आखिरकार चांद के दर्शन किए और वहीं अपना व्रत तोड़ा। इस रोमांटिक खुलासे पर दर्शकों के साथ-साथ शो में मौजूद कलाकार भी हैरान रह गए। प्रियंका के इस खुलासे पर कपिल शर्मा ने चुटकी लेते हुए पूछा कि क्या बस व्रत ही टूटा? इस पर प्रियंका ने हंसते हुए जवाब दिया कि उन्होंने मिठाई भी खाई।

500 करोड़ पार हुई धुरंधर, अवतार फायर एंड ऐश भी दे रही कड़ी टक्कर

मुंबई। बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों 'धुरंधर' की धूम देखने को मिल रही है। वहीं अब अवतार: फायर एंड ऐश ने भी सिनेमाघरों में दस्तक दी है। इसके अलावा कपिल शर्मा की किस किसको प्यार करूं 2 और 'अखंडा 2 भी इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर लगी हुई हैं।

अवतार: फायर एंड ऐश : जेम्स कैमरून की अवतार की एक बार वापसी हुई है। इस सीरीज की तीसरी कड़ी 'अवतार: फायर एंड ऐश' सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म ने पहले दिन कुल 20.05 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। इसमें सबसे ज्यादा 9 करोड़ रुपए अंग्रेजी में कमाए हैं। इसके अलावा हिंदी में 5.5 करोड़, तमिल में 2.60 करोड़, तेलुगु में 2.85 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। जबकि कन्नड़ में 8 लाख और मलयालम में 2 लाख रुपए ही फिल्म कमा पाई। वहीं, अब दूसरे दिन यानी शनिवार को फिल्म ने 22.50 करोड़ का कलेक्शन किया है। कुल कमाई की बात करें तो दो दिनों में फिल्म ने भारत में 41.50 करोड़ कमा लिए हैं।

धुरंधर : रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' का बॉक्स ऑफिस पर तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने रिलीज के 16वें दिन यानी तीसरे शनिवार को 33.5 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म की कुल कमाई अब सीधे 516.81 करोड़ जा पहुंची है। फिल्म ने कलेक्शन के मामले में साल की बड़ी-बड़ी फिल्मों को अब पीछे छोड़ दिया है। इसने 500 करोड़ का आंकड़ा भी पार कर लिया है।

दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी : संजय मिश्रा और महिमा चौधरी की कॉमेडी सटायर फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' भी इस शुक्रवार सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। हालांकि, 'धुरंधर' के आगे फिल्म को गिने-चुने शो ही मिले हैं। ऐसे में फिल्म ने अपने पहले दिन सिर्फ 8 लाख रुपए की कमाई की है। वहीं सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने दूसरे दिन सिर्फ 10 लाख की कमाई की है। अब तक फिल्म ने 16 लाख की कमाई ही की है।

किस किसको प्यार करूं 2 : कपिल शर्मा की 'किस किसको प्यार करूं 2' भी अब एक हफ्ते में ही बॉक्स ऑफिस पर सांसें भरने लगी है। फिल्म ने आठवें दिन शुक्रवार को सिर्फ 22 लाख रुपए का कलेक्शन किया है। वहीं, नौवें दिन यानी दूसरे शनिवार को फिल्म ने 35 लाख की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 11.42 करोड़ रुपए तक ही पहुंच पाया है।

65 साल पुरानी मूवी का ये सॉन्ग आज भी है कल्ट...

नई दिल्ली। गानों को फिल्मों की जान माना जाता है। पुराने दौर से चला आ रहा है कि कल्ट क्लासिक सॉन्ग हमेशा से श्रोताओं की पहली पसंद बने रहे हैं। इसी आधार पर आज हम आपको 65 साल पुराने गाने की इनसाइड स्टोरी बताने जा रहे हैं, जिसका चयन संगीतकार ने 105 गानों को रिजेक्ट करने के बाद किया था। इतना ही नहीं, इस सॉन्ग की शूटिंग के लिए मेकर्स ने एक भव्य सेट तैयार किया था, जिसके लिए उस जमाने में 1 करोड़ की मोटी लागत भी लगी थी। सुरों की कोकिला लता मंगेशकर ने उस गीत को अपनी मधुर आवाज दी थी और आज भी ये गाना हर किसी का फेवरेट माना जाता है।

हिंदी सिनेमा का कल्ट क्लासिक गीत : जिस गाने के बारे में इस लेख में जिक्र किया जा रहा है। उसे 1960 में रिलीज होने वाली फिल्म मुगल-ए-आजम में दिखाया गया था। निर्देशक के एस आसिफ की इस ऑल टाइम फेवरेट फिल्म के संगीतकार नौशाद थे और वह गाना एक्ट्रेस मधुबाला पर फिल्माया गया, जब प्यार किया तो डरना क्या... था। इस गानों को बनाने से पहले नौशाद ने 105 गानों को रिजेक्ट किया था, तब जाकर इसे फानइल किया था। मुगल-ए-आजम के गीतकार शकील बदांयूनी ने इसे लिखने में काफी मेहनत की और 106 बार में वह इसमें कामयाब हुए। ऐसे जाकर मुगल-ए-आजम का जब प्यार किया तो डरना क्या गाना फाइनल हुआ था। गायिका लता मंगेशकर ने इस गाने को अपनी जादुई आवाज में गाया था, 6 मिनट 16 सेकेंड का गाना सुनने के बाद आज भी आपके दिल को सुकून मिलेगा। इस तरह मधुबाला का ये आइकॉनिक सॉन्ग बनकर तैयार हुआ था।

खर्च हुए थे एक करोड़ रुपए : के आसिफ की मुगल-ए-आजम को बनने में करीब 16 साल का लंबा समय लगा था। इतना ही नहीं उन्होंने अपने इस ड्रीम प्रोजेक्ट पर पानी की तरह पैसा बहाया था। खासतौर पर फिल्म के जब प्यार किया तो डरना क्या गाने पर, आईएमडीबी की रिपोर्ट के अनुसार इस गीत का बजट 1 करोड़ था, क्योंकि इसे भव्य सेट पर फिल्माया गया था, जो राज दरबार जैसा दिखता हो। गाने को देखने को देखने के बाद आपको इस बात का अंदाजा आसानी से लग जाएगा।

ओटीटी से लेकर थिएटर तक कई शानदार फिल्में हुईं रिलीज

इस साल पर्दे पर खौफनाक रूप दिखाकर महफिल लूट ले गए ये सितारे

नई दिल्ली। सिने प्रेमियों के लिए साल 2025 कई मायनों में खास रहा है। ओटीटी से लेकर थिएटर तक कई शानदार फिल्में रिलीज हुईं। किसी भी फिल्म में मेन किरदार की एक्टिंग के साथ-साथ साइड रोल भी मायने रखते हैं। खासकर खलनयाक के किरदार पर दर्शकों का खास फोकस रहता है। इस साल कई फिल्मों में विलेन का किरदार हीरो पर भारी रहा।

अक्षय खन्ना

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसमें रणवीर सिंह लीड रोल में हैं। उनके अलावा अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, माधवन और अक्षय खन्ना जैसे सितारे हैं। अक्षय खन्ना ने रहमान डकैत की भूमिका निभाई है। यह खौफनाक किरदार अक्षय ने इतना बखूबी अदा किया है कि दर्शक उनके मुरीद हो गए हैं। उनका डांस तो वायरल हो गया है।

रणदीप हुड्डा

सनी देओल अभिनीत फिल्म 'जाट' में रणदीप हुड्डा भी नजर आए। उन्होंने 'राणातुंगा' का किरदार फिल्म में अदा किया। इस रोल में उनका जो जंगलीपन और ताकत दिखाई, दर्शक हैरान रह गए। एक्शन के दीवानों को रणदीप का काम काफी पसंद आया।

रितेश देशमुख

अजय देवगन अभिनीत फिल्म 'रेड 2' भी इस साल रिलीज हुई। इस फिल्म में रितेश देशमुख ने अपने नेगेटिव रोल से चौंका दिया। वे अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर हैं। मगर, इस फिल्म में उन्होंने एक भ्रष्ट और शातिर केंद्रीय मंत्री 'दादा मनोहर भाई' का किरदार निभाया। उनका यह रूप देख लोग हैरान रह गए।

फरदीन खान

फिल्म 'हाउसफुल 5' में फरदीन खान का खूंखार अंदाज देखने को मिला। इस मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म में फरदीन खान ने 'देव डोबरियाल' बनकर जो सस्पेंस पैदा किया, दर्शकों ने खूब तारीफ की। फिल्म के आखिर में उनका विलेन के रूप में सामने आना, इस साल के सबसे बड़े ट्विस्ट्स में से एक था।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी

मैडॉक फिल्म्स की 'थामा' इस साल रिलीज हुई। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी 'यक्षासन' अवतार में नजर आए। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म में उन्होंने अपनी डरावनी हंसी और दमदार अभिनय से चार चांद जड़ दिए। इस फिल्म में भी आयुष्मान खुराना से ज्यादा नवाज के चर्चे थे।

27वें जन्मदिन पर एमबाप्पे ने की रोनाल्डो की बराबरी

एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के लिए दागा 59वां गोल

एजेंसी ▶▶| बार्सिलोना

स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबाप्पे ने अपने 27वें जन्मदिन पर साल 2025 में रियाल मैड्रिड के लिए अपना 59वां गोल करके एक साल में सबसे अधिक गोल करने के क्लब रिकॉर्ड की बराबरी की, जो कि अब तक क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पर दर्ज था। फ्रांस के स्ट्राइकर एमबाप्पे के लिए यह उपलब्धि हासिल करना लगभग असंभव रहा था, क्योंकि रियाल मैड्रिड का यह इस साल का आखिरी मैच था। एमबाप्पे ने हालांकि मैच खत्म होने से चार मिनट पहले पेनल्टी किक को गोल में बदलकर रोनाल्डो की बराबरी की, जिससे रियाल मैड्रिड ने सेविला पर 2-0 से जीत दर्ज की। रोनाल्डो ने 2013 में यह रिकॉर्ड बनाया था। एमबाप्पे ने रिकॉर्ड गोल करने के बाद रोनाल्डो के अंदाज में ही जश्न मनाया।

एमबाप्पे ने कहा, ' क्रिस्टियानो ने जो किया, वह अविश्वसनीय है। वह मेरे आदर्श हैं। वह रियाल मैड्रिड के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे हैं। मेरा यह जश्न उनको समर्पित है। मेरा उनसे बहुत अच्छा रिश्ता है। वह मेरे दोस्त हैं। मैं उन्हें और रियाल मैड्रिड के सभी प्रशंसकों को क्रिसमस और नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।'

प्रीमियर लीग का नया गोल किंग- हॉलैंड ने रोनाल्डो को पछाड़ा

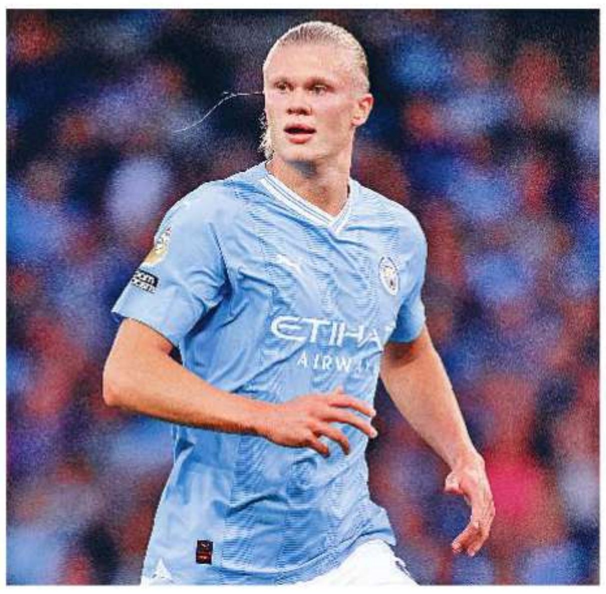

एजेंसी ▶▶| लंदन

एर्लिंग हॉलैंड ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दो गोल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया, जिससे मैनचेस्टर सिटी ने आसान जीत दर्ज करके अपनी जीत का सिलसिला पांच मैच तक पहुंचा दिया। मैनचेस्टर सिटी को इस जीत तीन अंक मिले, लेकिन यह आर्सेनल को क्रिसमस के दिन प्रीमियर लीग में शीर्ष पर रहने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। आर्सेनल ने विक्टर ग्योकेरेस के पहले हाफ में पेनल्टी पर किए गोल की बदौलत एवर्टन पर 1-0 की जीत हासिल की, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि आर्सेनल 25 दिसंबर को प्रीमियर लीग में पांचवीं बार पहले स्थान पर रहेगा। इससे पहले जब चार अवसरों पर आर्सेनल क्रिसमस तक शीर्ष पर रहा था तब वह खिताब नहीं जीत पाया था।

आर्सेनल के बाद मैनचेस्टर सिटी दूसरे स्थान पर है। वह आर्सेनल से केवल दो अंक पीछे है। उसने वेस्ट हैम को 3-0 से हराया। हॉलैंड ने दोनों हाफ में एक-एक गोल करके इस सत्र में 17 मैचों में 19 गोल कर लिए हैं। इस तरह से उन्होंने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया।

खबर संक्षेप

केओए ने किया आयुष प्रज्वल को सम्मानित

बेंगलुरु। कर्नाटक ओलंपिक संघ (केओए) ने उभरते हुए शटलर आयुष शेट्टी, अनुभवी टेनिस खिलाड़ी एसडी प्रज्वल देव सहित इस साल उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले राज्य के खिलाड़ियों को वार्षिक पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया। बीस साल के शेट्टी ने जून में यूएस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीतकर बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) विश्व टूर में इस साल भारत के खिताब के सूखे को समाप्त किया था। उन्होंने पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को 21-18, 21-13 से हराया था। प्रज्वल 2024 में भारत की डेविस कप टीम के सदस्य थे। प्रज्वल ने पुरस्कार लेने के बाद कहा, 'अब मेरी नजर बेंगलुरु ओपन, बैंकॉक चैलेंजर और वियतनाम में होने वाले दो टूर्नामेंटों पर है। इस पुरस्कार को पाकर मुझे बहुत गर्व हो रहा है।'

एशियाई फुटबॉल परिसंघ शुरू करेगा नेशंस लीग

कुआलालंपुर। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने अपने सदस्य देशों के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए एएफसी नेशंस लीग शुरू करने की घोषणा की। यह कदम यूईएफए द्वारा 2018 में नेशंस लीग से प्रभावित होकर उठाया गया है, जिसमें यूरोप की राष्ट्रीय टीमों को विभिन्न स्तरों में विभाजित किया जाता है और वे फीफा की निर्धारित विंडो में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हैं। यह घोषणा अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ द्वारा 2029 में इसी तरह का टूर्नामेंट शुरू करने की घोषणा के एक दिन बाद आई है। एएफसी से जारी बयान के मुताबिक, 'राष्ट्रीय टीमों की सीमित उपलब्धता, बढ़ती परिचालन लागत और लॉजिस्टिक संबंधी जटिलताओं के कारण फीफा अंतरराष्ट्रीय मैच विंडो का प्रभावी उपयोग करना लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।

विश्व 25 कोलकाता दौड़ः गुलवीर और सीमा ने बनाया कोर्स रिकॉर्ड

कोलकाता। युगांडा के जोशुआ चेप्टेगेई ने 10वीं टाटा स्टील विश्व 25के (25 किलोमीटर) कोलकाता पुरुष दौड़ में जीत हासिल की, जबकि गुलवीर सिंह और सीमा ने नया भारतीय कोर्स रिकॉर्ड बनाया। इथियोपिया की डेगिटु अजीमेरा ने मौजूदा चैंपियन सुतुमे असेफा केबेडे को हराकर अंतरराष्ट्रीय एलीट महिला वर्ग की दौड़ जीती। दो बार के ओलंपिक चैंपियन चेप्टेगेई ने शुरुआत में ही दबदबा बना दिया था। उन्होंने 1:11:49 (एक घंटा, 11 मिनट और 49 सेकेंड) का समय लेकर पहली बार यह प्रतियोगिता जीती। तंजानिया के अल्फोंस फेलिक्स सियुम्बु (1:11:56) दूसरे और लेसोथो के टेबेलो रामाकोंगोआना (1:11:59) तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं के वर्ग में अजीमेरा शुरू से अंत तक आगे रहीं। उन्होंने 1:19:36 का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया।

कमिंस की टीम ने स्टोक्स का सपना किया चकनाचूर

ऑस्ट्रेलिया के पास रहेगी एशेज की ट्रॉफी, इंग्लैंड को 82 रन से दी मात

एजेंसी ▶▶| एडिलेड

तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें और अंतिम दिन रविवार को आखिरी चार विकेटों में से तीन विकेट लेकर इंग्लैंड की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और इस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने 82 रन से जीत दर्ज करके दो टेस्ट शेष रहते हुए एशेज बरकरार रखने में कामयाबी हासिल की। इंग्लैंड ने 435 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 207 रन से आगे बढ़ाई। उसे तब जीत के लिए 228 रन चाहिए थे, जबकि आस्ट्रेलिया को एशेज को बरकरार रखने के लिए चार विकेट की जरूरत थी। इंग्लैंड की टीम हालांकि लंच के बाद 352 रन पर आउट हो गई और इस तरह से उसकी अप्रत्याशित जीत दर्ज करके विश्व रिकार्ड बनाने और एशेज में बने रहने की उम्मीदों पर तुषारापात हो गया।

- स्टार्क ने इंग्लैंड की वापसी की उम्मीदों पर फेरा पानी

स्टार्क ने की शानदार गेंदबाजी

इन दोनों मैच में स्टार्क ने शानदार गेंदबाजी की थी और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने तीसरे टेस्ट मैच में फिर से ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई। स्टार्क ने सुबह के सत्र में एकमात्र विकेट लिया। उन्होंने जेमी स्मिथ को 60 रन पर आउट किया। इंग्लैंड ने पहले सत्र में 102 रन जोड़कर अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। इंग्लैंड की शानदार वापसी ने आखिरी दिन दोपहर के भोजन तक एशेज का रोमांच बनाए रखा। इंग्लैंड ने लंच तक सात विकेट पर 309 रन बनाए थे। तब ऑस्ट्रेलिया को एडिलेड में ही ट्रॉफी जीतने के लिए तीन विकेट और इंग्लैंड को पांच मैचों की श्रृंखला में बने रहने के लिए 126 रन की जरूरत थी।

यह हार काफी निराशाजनक : स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने बाद में कहा कि उन्हें सुबह के सत्र में ऐसा लग रहा था कि उनकी टीम एक और बड़ी जीत हासिल करने के लिए तैयार है और उन्हें रिकॉर्ड स्कोर बनाने का पूरा भरोसा था। स्टोक्स ने कहा, 'यह हार काफी निराशाजनक है। हम जिस लक्ष्य को लेकर यहां आए थे उसे हासिल नहीं कर पाए। हम अपना सपना पूरा नहीं कर पाए, जो निश्चित रूप से काफी निराशाजनक है।' इंग्लैंड के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा। ऑस्ट्रेलिया को अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन की कमी खली जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। ऐसे में श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज स्टार्क ने शानदार प्रदर्शन किया। चौथा टेस्ट मैच बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) पर मेलबर्न में शुरू होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने दो टेस्ट समान अंतर से जीते

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने मैच के बाद कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। हमने कर दिखाया। ऑस्ट्रेलिया में आप कुछ भी चीज को हासिल करने के लिए जल्दबाजी नहीं कर सकते। इसके लिए कड़ी मेहनत करनी होती है और मुझे खुशी है कि हमारे सभी खिलाड़ियों ने मेहनत की। मैंने नहीं सोचा था कि मैच इतना करीबी हो जाएगा लेकिन मैं परिणाम से बहुत खुश हूं।' इंग्लैंड ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जनवरी 2011 में जीता था, जिसके बाद से 5,462 दिन बीत चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ने उसके बाद से अपनी धरती पर 5-0, 4-0, 4-0 से श्रृंखला जीती है और अब वह 3-0 से आगे है। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ और ब्रिस्बेन में पहले दो टेस्ट मैच आठ विकेट के समान अंतर से जीते थे।

टी-20: भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को 8 विकेट से हराया

▶▶ जेमिमा रोड्रिग्ज की फिफ्टी

▶▶ स्मृति मंधाना ने 25 रन बनाए

एजेंसी ▶▶| विशाखापत्तनम

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 69 रन) की आकर्षक अर्धशतकीय पारी से रविवार को यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंका को 32 गेंद रहते आठ विकेट से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। भारतीय गेंदबाजों ने ओस के बावजूद श्रीलंका को छह विकेट पर 121 रन का स्कोर ही बनाने दिया। ओस के उम्मीद से पहले असर दिखाने के बावजूद मेहमान टीम की बल्लेबाज ढीली गेंदों का पूरा फायदा नहीं उठा सकीं। फिर भारतीय टीम ने यह लक्ष्य 14.4 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर हासिल कर लिया जिसमें जेमिमा ने 44 गेंद की नाबाद पारी में 10 चौके लगाए। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 25 रन का योगदान दिया। जेमिमा ने मंधाना के साथ दूसरे विकेट के लिए 54 रन और कप्तान हरमनप्रीत कौर (16 गेंद में नाबाद 15 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी निभाई। जेमिमा ने अपनी पारी के दौरान कई दर्शनीय शॉट खेले लेकिन उनकी पारी का आकर्षण 12वें ओवर में बाएं हाथ की कलाई की स्पिनर शशिनी जिम्हानी पर जड़े चार चौके रहे और इसी दौरान उन्होंने 34 गेंद में अपना पचासा भी पूरा किया। शेफाली वर्मा (09 रन, दो चौके) ने भारतीय पारी की शुरुआत पहले ओवर में दो चौकों के साथ आक्रामक अंदाज में की। लेकिन वह इसे ज्यादा देर तक जारी नहीं रख सकीं।

काव्या काविंदी की गेंद पर हवा में फ्लिक करने के बाद शशिनी ने स्क्वायर लेग पर उनका शानदार कैच लपका। फिर मंधाना भाग्यशाली रहीं क्योंकि काव्या की गेंद उनके बल्ले के अंदरूनी किनारे से लगी लेकिन बाउंड्री के लिए चली गई। लेकिन जेमिमा ने माल्की मदारा की गेंद पर लेट कट खेलते हुए चौका जमाया। इस तरह चार ओवर में भारत का स्कोर एक विकेट पर 30 रन हो गया। फिर श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू खुद गेंदबाजी करने आईं। मंधाना ने अटापट्टू पर दो चौके जड़ दिए।

भारतीय बल्लेबाजों का फ्लाप शो पाक ने जीता अंडर-19 एशिया कप

एजेंसी ▶▶| दुबई

अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में भारतीय टीम को पाकिस्तान हार दिया। पाकिस्तान की टीम ने भारत को 26.2 ओवरों में ढेर कर 191 रन से फाइनल जीत लिया। भारतीय टीम के सामने 348 रन का लक्ष्य बड़ा साबित हुआ और बैटर्स के फ्लॉप प्रदर्शन के चलते अंत में टीम को हार मिली। भारत की ओर से कोई भी बैटर 26 रन से ज्यादा नहीं बना पाया। वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे, एरोन जॉर्ज जैसे बड़े नाम फ्लॉप रहे।

वैभव ने बनाए मात्र 26 रन

भारत की शुरुआत जोरदार रही. ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने पहले ओवर में ही अली रजा पर तीन छक्के और एक चौका लगाकर 26 रन ठोक दिए। लेकिन इसके बाद विकेटों की झड़ी लग गई। कप्तान आयुष म्हात्रे सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हो गए. एरॉन जॉर्ज ने 16 रन बनाए, लेकिन वो भी जल्दी लौट गए। वैभव भी 10 गेंदों पर 26 रन बनाकर पवेलियन चले गए।

क्रीज पर नहीं टिक सके भारतीय बल्लेबाज

इसके बाद कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं सका। विहान मल्होत्रा 7 रन, वेदांत त्रिवेदी 9 रन, अभिज्ञान कुंडू 13 रन, कनिष्क चौहान 9 रन बनाकर आउट हुए। खिलन पटेल ने 19 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। हेनिल पटेल 6 रन पर आउट हो गए। आखिर में दीपेश देवेंद्रन ने पूरी कोशिश की लेकिन उन्हें और किसी बैटर का साथ नहीं मिल पाया। अंत में किशन सिंह उनके साथ आए और दोनों ने जैसे तैसे रन जोड़ने शुरू किए। लेकिन अंत में अली रजा ने दीपेश को कैच आउट करा पाकिस्तान की झोली में जीत डाल दी। भारत की ये बेहद बड़ी हार है।

दिव्या शक्ति सुगम्य भारत ट्रॉफी

वाराणसी। राजस्थान के दिव्यांग खिलाड़ी जसवंत सिंह रविवार को बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के एमपी थिएटर ग्राउंड में बीसीसीआई की ओर से प्रायोजित दिव्या शक्ति सुगम्य भारत ट्रॉफी के क्रिकेट मैच के दौरान छड़ी का इस्तेमाल करके गेंद फेंकते हुए।

यादें 2025: अदालती सुनवाई, वित्तीय समस्याओं से जूझना पड़ा

इस साल उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा भारतीय फुटबॉल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल के लिए वर्ष 2025 निराशा से भरा रहा, जिसमें उसे गंभीर प्रशासनिक संकट, अदालती सुनवाई, वित्तीय समस्याओं, घरेलू लीग के अभाव और सीनियर पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन से जूझना पड़ा। जैसे-जैसे साल खत्म होने लगा लियोनेल मेस्सी के बहुचर्चित 'जीओएटी इंडिया टूर' ने कुछ दिलचस्पी पैदा की और इस खेल को लेकर कुछ चर्चा शुरू करने पर मजबूर किया। लेकिन इससे भारतीय फुटबॉल को कुछ फायदा हुआ होगा ऐसा नहीं लगता है। भारतीय फुटबॉल की अपनी समस्याएं ही कम नहीं थी और ऐसे में मेस्सी के दौरे के पहले दिन साल्ट लेक स्टेडियम में फैली अराजकता और अव्यवस्था ने शर्मिंदगी को और बढ़ा दिया। भारतीय फुटबॉल के गढ़ कहे जाने वाले कोलकाता में कानून-व्यवस्था का बिगड़ना भले ही अच्छी खबर न हो, लेकिन हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली में मेस्सी के कार्यक्रम अच्छी तरह से आयोजित किए गए।

पुरुष टीम का प्रदर्शन रहा बेहद निराशाजनक

इस साल भारत की सीनियर पुरुष टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। उसे ढाका में नवंबर में खेले गए 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग मैच में बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा। यह बांग्लादेश के खिलाफ पिछले 22 वर्षों में उसकी पहली पराजय थी। भारतीय टीम वर्ष 2024 में अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई थी, लेकिन इस साल वह कुछ जीत हासिल करने में कामयाब रही, जिसमें सितंबर में मध्य एशियाई देशों ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में आयोजित सीएएफए नेशंस कप में कांस्य पदक जीतना भी शामिल है।

कम रैंकिंग वाली टीमों से हार भारत

बांग्लादेश के अलावा भारतीय पुरुष टीम को हांगकांग और सिंगापुर जैसी कम रैंकिंग वाली टीमों से भी हार का सामना करना पड़ा। सिंगापुर से 1-2 से मिली हार ने एशियाई कप में प्रवेश करने की उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। जहां एक ओर पुरुष टीम मैदान पर संघर्ष कर रही थी वहीं दूसरी ओर प्रशासक मैदान के बाहर की समस्याओं से जूझ रहे थे। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) का रिलायंस के स्वामित्व वाली फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) के साथ पिछला अनुबंध आठ दिसंबर को समाप्त हो गया। इसके बाद वह इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के लिए एक नया वाणिज्यिक भागीदार नहीं जुटा पाया, जिससे इस खेल पर संकट पैदा हो गया। यही वजह है कि देश की सर्वोच्च फुटबॉल लीग आईएसएल अभी तक शुरू नहीं हो पाई।

डेजर्ट वाइपर्स का शानदार प्रदर्शन शारजाह वॉरियर्ज को 4 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| दुबई

डेजर्ट वाइपर्स ने आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में शारजाह वॉरियर्ज पर चार विकेट से जीत हासिल करके अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी दावेदारी को और मजबूत किया। वाइपर्स ने आठ मैचों में 14 अंकों के साथ शीर्ष दो में अपनी जगह पक्की कर ली है। वॉरियर्ज की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 17.5 ओवर में 90 रन पर आउट हो गई। उसके केवल दो बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे, जिनमें टॉम एबेल ने सर्वाधिक नाबाद 35 रन बनाए। वाइपर्स की तरफ से डेविड पायने ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए। वाइपर्स ने 13.5 ओवर में छह विकेट पर 91 रन बनाए और इस तरह से 37 गेंदें शेष रहते हुए आसान जीत हासिल की। उसकी तरफ से सैम कुरेन की 31 गेंदों में 37 रन की पारी खेली, जिसमें पांच चौके शामिल हैं।

विकसित भारत-जी राम जी विधेयक बना कानून, राष्ट्रपति ने किए हस्ताक्षर

कामगारों की हो गई बल्ले-बल्ले, अब 125 दिन के काम की गारंटी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी है। अब यह विधेयक अब कानून बन गया है। इसके तहत ग्रामीण परिवारों को मिलने वाली वैधानिक मजदूरी रोजगार की गारंटी को बढ़ाकर अब एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 125 दिन कर दिया गया है। सरकार इसे ग्रामीण जीवन को मजबूत आधार देने वाला ऐतिहासिक कदम बता रही है। सरकार का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की कानूनी गारंटी पहले से ज्यादा मजबूत हो जाएगी।

काम उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी

अब पात्र ग्रामीण परिवारों को साल में 125 दिन तक मजदूरी आधारित काम उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी होगी। इसका सीधा उद्देश्य गांवों में रहने वाले श्रमिकों, किसानों और भूमिहीन परिवारों की आय बढ़ाना और उन्हें आर्थिक सुरक्षा देना है। सरकार का कहना है कि इससे गांवों में गरीबी कम होगी और लोगों को अपने ही क्षेत्र में काम मिलेगा।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थायी मजबूती मिलेगी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

सरकार का कहना है कि नए कानून का मकसद केवल रोजगार देना नहीं है, बल्कि ग्रामीण समाज का समग्र सशक्तिकरण करना भी है। वीबी-जी राम जी के तहत समावेशी विकास को प्राथमिकता दी गई है, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। सरकार का दावा है कि यह कानून महिलाओं, कमजोर वर्गों और जरूरतमंद परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थायी मजबूती मिलेगी। सड़कों, जल संरक्षण, सिंचाई, आवास और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कामों को रोजगार से जोड़कर गांवों की तस्वीर बदलने की योजना है। इससे विकास कार्यों में पारदर्शिता और गति दोनों बढ़ेंगी।

मजबूत और एकीकृत राष्ट्रीय फ्रेमवर्क बनेगा

सरकार का कहना है कि नए नियमों से मनरेगा की ढाचांगत कमियों को दूर किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में किए जाने वाले सभी कार्यों को विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर स्टैक में शामिल किया जाएगा। इससे ग्रामीण स्तर पर सार्वजनिक कार्यों के लिए एक मजबूत और एकीकृत राष्ट्रीय फ्रेमवर्क तैयार होगा। इसके बाद कामों को लेकर तैयारियां होंगी।

अंतिम व्यक्ति तक रोजगार और आजीविका का लाभ मिलेगा

कानून में संतृप्ति आधारित डिलीवरी को खास महत्व दिया गया है। कोई भी पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित न रहे। सरकार का कहना है कि अंतिम व्यक्ति तक रोजगार और आजीविका का लाभ पहुंचाना इस कानून का मूल उद्देश्य है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में असमानता कम होगी और विकास का लाभ सभी तक पहुंचेगा।सरकार का मानना है कि यह कानून समृद्ध, मजबूत और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की नींव को और पुख्ता करेगा। इससे रोजगार बढ़ेगा।

शिवराज ने किया विपक्ष पर हमला | मनरेगा के नाम पर देश को गुमराह करने की कोशिश

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को विपक्षी नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वे सरकार की प्रमुख ग्रामीण रोजगार योजना को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि विकसित भारत ग्राम योजना, मनरेगा से एक कदम आगे है। अब मजदूरों को 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी मिलेगी। बेरोजगारी भत्ते के प्रावधानों को और मजबूत किया गया है और यदि मजदूरी में देरी होती

है, तो अतिरिक्त मुआवजा भी दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने ग्रामीण रोजगार योजना के लिए कुल आवंटन बढ़ाया है और विकसित गांवों के माध्यम से विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण पर जोर दिया जा रहा है।

खबर संक्षेप

बंगाल में सिंगर पर हमले की कोशिश

पूर्वी मिदनापुर। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर में एक इवेंट के दौरान सिंगर लग्नजिता चक्रवर्ती पर शख्स ने हमला करने की कोशिश की। पुलिस ने शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। महबूब मलिक नामक शख्स पर आरोप लगाया गया है कि वह कार्यक्रम के दौरान चक्रवर्ती से कह रहा था कि जागो मां गाना बहुत हो गया, अब सेक्युलर गाना गाओ।

हरियाणा में आया भूकंप रोहतक था इसका केंद्र

रोहतक। दिल्ली से सटे राज्य हरियाणा में रविवार को भी भूकंप आया है। इससे हरियाणा के कुछ हिस्सों की धरती हिल उठी है। रविवार को हरियाणा में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.3 दर्ज की गई है। ये भूकंप दोपहर 12 बजकर 13 मिनट पर महसूस किया गया। इसका केंद्र रोहतक में धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था।

बिजली बिल वसूलने गई टीम पर जानलेवा हमला

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में बिजली बिल वसूली के दौरान बिजली विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने जानलेवा हमला कर दिया। मामला पैलानी थाना क्षेत्र के पिपरोदर गांव का है, जहां बकायेदार के घर बिल वसूलने गई टीम को लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया गया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है।

बेसमेंट की दीवार गिरी 7 लोग मलबे में दबे

आगरा। ताज नगरी आगरा में रविवार को नमक मंडी इलाके में हादसा हो गया, जहां बेसमेंट निर्माण के दौरान दीवार गिर गई। घटना में सात लोग मलबे में दब गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इनमें से4 लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है। बताया जा रहा मलबे में दबे सभी मजदूर अलाव ताप रहे थे। इसी दौरान हादसा हो गया।

दिल्ली पहुंचे नीतीश पीएम से होगी मुलाकात

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली पहुंच गए हैं। नीतीश के दिल्ली जाते ही कयासों का दौर भी शुरू हो गया है। संभावना जताई जा रही है कि वे प्रधानमंत्री से मुलाकात कर सकते हैं। इसके साथ ही बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष नितिन नबीन से भी मिल सकते हैं। संभावना यह भी है कि सीएम नीतीशदिल्ली में अपना रूटीन चेकअप करा सकते हैं।

चुनावी बॉन्ड बंद होते ही इलेक्टोरल ट्रस्ट के जरिए बरसे करोड़ों रुपए

भारतीय जनता पार्टी को 3,112 करोड़ तो कांग्रेस को महज 299 करोड़ रुपये मिले

2024-2025 में 9 इलेक्टोरल ट्रस्टों ने राजनीतिक दलों को कुल 3,811 करोड़ दान किए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनावी बॉन्ड के जरिए सरकार की गुमनाम राजनीतिक फंडिंग योजना को समाप्त किए जाने के बाद, पहले वित्तीय वर्ष (2024-2025) में नौ इलेक्टोरल ट्रस्टों ने राजनीतिक दलों को कुल 3,811 करोड़ रुपए दान किए। इसमें केंद्र की सत्ताधारी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी को 3,112 करोड़ रुपए प्राप्त हुए, जो ट्रस्टों द्वारा दिए गए कुल फंड के 82 प्रतिशत (चार-पांचवें हिस्से) से भी अधिक है।भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को विभिन्न ट्रस्टों द्वारा सौंपी गई 'कंट्रीब्यूशन रिपोर्ट' के अनुसार कांग्रेस को कुल दान का लगभग 8 प्रतिशत यानी 299 करोड़ रुपए मिले। शेष सभी दलों को मिलाकर बचा हुआ 10 प्रतिशत या लगभग 400 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। हालांकि, राजनीतिक दलों को मिलने वाला कुल दान इससे कहीं अधिक है, क्योंकि इलेक्टोरल ट्रस्ट फंडिंग का केवल एक माध्यम है, भले ही यह एक बड़ा जरिया हो।

इलेक्टोरल बॉन्ड फाइल फोटो

20 दिसंबर तक आंकड़े उपलब्ध

20 दिसंबर तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में पंजीकृत 19 इलेक्टोरल ट्रस्टों में से 13 की रिपोर्ट चुनाव आयोग के पास उपलब्ध थी। इनमें से नौ ट्रस्टों ने कुल 3,811 करोड़ रुपये के योगदान की घोषणा की है। यह वित्तीय वर्ष 2023-2024 में ट्रस्टों द्वारा दिए गए 1,218 करोड़ रुपये के मुकाबले 200% से भी अधिक की वृद्धि है। वहीं, चार ट्रस्टों (जनहित, परिवर्तन, जयहिंद और जयभारत) ने इस वर्ष कोई योगदान नहीं देने की घोषणा की है।

प्रूडेंट और प्रोग्रेसिव ट्रस्ट का दबदबा

'प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट' भाजपा को चंदा देने वाला प्रमुख डोनर बनकर उभरा है, जिसने 2,180.07 करोड़ दिए। इस ट्रस्ट को मुख्य रूप से जिंदल स्टील एंड पावर, मेघा इंजीनियरिंग, भारती एयरटेल, ऑरोबिंदो फार्मा और टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स जैसी कंपनियों से फंड मिला था। प्रूडेंट ने कांग्रेस, टीएमसी, आप और टीडीपी को भी दान दिया, लेकिन 2,668 करोड़ के फंड का लगभग 82 प्रतिशत हिस्सा भाजपा को गया।

सभी पार्टियों को मिला चंदा

प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट ने कांग्रेस, टीएमसी, आप , टीडीपी और दूसरी पार्टियों को डोनेशन दिया, लेकिन 2024-2025 में उसके कुल 2,668 करोड़ रुपए के डोनेशन का बड़ा हिस्सा भाजपा को गया। इसी तरह, 'प्रोग्रेसिव इलेक्टोरल ट्रस्ट' ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न कंपनियों से 917 करोड़ रुपए जुटाए, जिसमें से 914.97 करोड़ रुपए दान किए गए। इस राशि भाजपा के खाते में गया। इस ट्रस्ट में मुख्य योगदान टाटा समूह की कंपनियों जैसे टाटा संस, टीसीएस, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स और टाटा पावर का रहा।

अन्य ट्रस्टों का योगदान

मुंबई स्थित केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड, 'जनप्रगति इलेक्टोरल ट्रस्ट' को दान देने वाली एकमात्र फर्म रही। ट्रस्ट को मिले कुल 1.02 करोड़ में से 1 करोड़ रुपए शिवसेना (यूबूटी) को दान किए गए। 'हार्मनी इलेक्टोरल ट्रस्ट' को 35.65 करोड़ रमिले, जिसमें से उसने 30.15 करोड़ भाजपा को दिए। इसमें भारत फोर्ज (22 करोड़) और कल्याणी स्टील जैसी कंपनियों का मुख्य योगदान रहा।'न्यू डेमोक्रेटिक इलेक्टोरल ट्रस्ट' को महिंद्रा समूह की कंपनियों से कुल 160 करोड़ भाजपा को दिए गए। 'ट्रायम्फ इलेक्टोरल ट्रस्ट' को मिले 25 करोड़ में से 21 करोड़ भाजपा को मिले, जिसमें सीजी पावर का सर्वाधिक योगदान था। वहीं, 'जनकल्याण ट्रस्ट' को मिले कुल 19 लाख को भाजपा और कांग्रेस के बीच बराबर (9.5 लाख प्रत्येक) बांट दिया गया।

पिछले वर्ष भी भाजपा थी मालामाल

उल्लेखनीय है कि पिछले वित्तीय वर्ष (2023-24) में भाजपा को कुल 3,967.14 करोड़ रुपए का स्वैच्छिक योगदान मिला था, जिसमें 43 प्रतिशत हिस्सा इलेक्टोरल बॉन्ड का था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा बॉन्ड योजना को असंवैधानिक घोषित किए जाने के बाद, अब कंपनियां चेक, डीडी या यूपीआई ट्रांसफर के जरिए सीधे या इलेक्टोरल ट्रस्ट के माध्यम से दान करती हैं, जिसकी जानकारी चुनाव आयोग को देना अनिवार्य है।

जीत की खुशी व्यक्त करते भाजपा कार्यकर्ता

महाराष्ट्र में नपं और नप चुनाव

महायुति को 288 में से 218 सीटें, एमवीए 47 पर रुकी

मुंबई। महाराष्ट्र में नगर पंचायत और नगर परिषद चुनावों के सभी 288 में से 288 नतीजे या रुझान सामने आ चुके हैं। इनमें महायुति गठबंधन ने स्पष्ट बढ़त हासिल की है, जबकि महाविकास आघाड़ी को बेहद कम सीटों पर संतोष करना पड़ा है। भाजपा ने 127 सीटें जीतकर महायुति में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में खुद को स्थापित किया है। वहीं शिवसेना को 54 सीटें और एनसीपी को 37 सीटें मिली हैं। इस तरह महायुति के खाते में 218 सीटें गई हैं, जो गठबंधन की मजबूत को दर्शाता है। दूसरी ओर एमवीए का प्रदर्शन सीमित रहा है। कांग्रेस ने 31 सीटें जीतकर आघाड़ी में सबसे आगे रहने का दावा किया है।

भाजपा फिर नंबर वनः फडणवीस

भाजपा की इस जीत पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन के मार्गदर्शन में और सभी कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से भाजपा एक बार फिर राज्य में नंबर 1 है। सभी को बधाई।

एमवीए के बराबर तो शिवसेना की ही सीटें

एकनाथ शिंदे ने कहा कि एमवीए ने जितनी सीटें जीती हैं उससे ज्यादा तो अकेले शिवसेना ने जीत ली हैं। कुछ लोग शिवसेना सिर्फ ठाणे तक ही सीमित समझते हैं, लेकिन अब चुनाव परिणाम ने दिखा दिया है कि ऐसा नहीं है। शिवसेना का प्रभाव बाहर भी है।

भगवान अयप्पा की 'पालकी'

हैदराबाद। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी अपने बेटे के साथ रविवार को हैदराबाद के हिमायत नगर में 'पड़ी पूजा' समारोह के दौरान भगवान अयप्पा की 'पालकी' ले जाते हुए।

अरावली की पहाड़ियां फिर चर्चा में

खनन के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से मची हलचल, इस पर सियासत भी गरमाने लगी

'सेव अरावली कैंपेन' भी चल पड़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अरावली के पर्वत दुनिया में सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक हैं। इनसे जुड़ा एक ताजा मामला सोशल मीडिया पर अभियान का रूप ले रहा है।इन पर्वतों के पास खनन की घटनाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लंबित है। इस पर केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय में एक जवाब दाखिल किया। इसके बाद से कुछ ऐसे घटनाक्रम हुए हैं, जिन्हें लेकर यह श्रृंखला चर्चा के केंद्र में आ गई। अरावली के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 'सेव अरावली कैंपेन' अभियान तक चल पड़ा है।

अरावली के पर्वत दुनिया में सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में शामिल

अरावली की पहाड़ी

अरावली पर्वत श्रृंखला की महत्ता

पृथ्वी पर अरावली पर्वत श्रृंखला दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला है। यह करीब दो अरब साल पुरानी है। यह हिंद-गंगीय मैदानी इलाकों को रेगिस्तानी रेत से बचाने के लिए एक अहम पारिस्थितिकी बैरियर की तरह काम करता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि अगर यह पर्वत श्रृंखला न होती तो भारत का उत्तरी क्षेत्र रेगिस्तान में तब्दील होना शुरू हो गया होता।

अरावली बचेगी तो ही दिल्ली-एनसीआर भी बचेगा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्लीवासियों को अरावली पहाड़ियों को बचाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अरावली को बचाना कोई विकल्प नहीं बल्कि संकल्प होना चाहिए। एक्स पर एक लंबे संदेश में उन्होंने कहा कि बची रहे जो 'अरावली' तो दिल्ली रहे हरीभरी!

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन अंबानी का बड़ा बयान

हम दुनिया को देंगे सस्ती-स्वच्छ ऊर्जा, भारत बनेगा आत्मनिर्भर

मुंबई में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में यह बात कही

एजेंसी ▶▶ मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने भारत के ऊर्जा भविष्य और 'न्यू इंडिया' की बदलती तस्वीर पर बड़ा बयान दिया है। मुंबई में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने देश में ग्रीन एनर्जी की संभावनाओं और युवाओं की आकांक्षाओं पर खुलकर बात की। ऊर्जा क्षेत्र में क्रांति की तैयारी अंबानी ने संकेत दिया कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दहलीज पर खड़ा है। सौर ऊर्जा को लेकर पारंपरिक सोच को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा कि हम स्थानीय ऊर्जा समस्याओं को सुलझाने के बेहद करीब हैं। सौर ऊर्जा का उपयोग अब केवल 4 घंटे के ईंधन के रूप में नहीं किया जाएगा। हम सौर ऊर्जा का उपयोग उन समस्याओं को हल करने के लिए कर सकते हैं ।

सौर ऊर्जा अब चार घंटे का ईंधन नहीं

ग्रीन एनर्जी की संभावनाओं पर की बात

हम स्थानीय ऊर्जा समस्याओं को सुलझाने के बेहद करीब

हम मिसाल पेश करेंगे

मुकेश ने कहा कि रिलायंस न केवल भारत, बल्कि दुनिया के कई हिस्सों के लिए एक मिसाल पेश करेगा। उहम रास्ता दिखाएंगे कि कैसे ग्रीन और क्लीन एनर्जी को प्रचुर मात्रा में और किफायती दरों पर उपलब्ध कराया जा सकता है।

नए भारत में युवाओं से भरोसा बढ़ राह

आज के भारत की बदलती तस्वीर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम एक 'नए भारत' में हैं। अंबानी ने देश की युवा शक्ति पर भरोसा जताते हुए कहा कि यह नया भारत सपने देखने वाले युवाओं भरा हुआ है। आज लाखों सपने भारत में ही हकीकत बन रहे हैं।

भारत के जीवन स्तर को बेहतर बनाएंगे

मुकेश ने अपने पिता और रिलायंस के संस्थापक धीरूभाई अंबानी को याद करते हुए कंपनी के मूल उद्देश्य के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि मेरे पिता, धीरूभाई ने रिलायंस की स्थापना इसी एकमात्र उद्देश्य के साथ की थी कि हमें भारत के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। भारत और भारतीयों को आगे बढ़ना ही होगा। यही रिलायंस का उद्देश्य था।

यात्री से मारपीट का मामला

एआई एक्सप्रेस का पायलट सस्पेंड और कारण बताओ नोटिस भी जारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यहां के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक ऑफ-ड्यूटी पायलट द्वारा यात्री के साथ मारपीट किए जाने के मामले ने नागरिक उड्डयन क्षेत्र को हिला दिया है। अब एआई एक्सप्रेस ने पायलट के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है और कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह घटना शुक्रवार को दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर हुई। आरोपी पायलट वीरेंद्र

एयर इंडिया एक्सप्रेस

सेजवाल उस समय किसी दूसरी एयरलाइन से यात्री के रूप में यात्रा कर रहा था। इसी दौरान उसका यात्री अंकित दीवान से विवाद हो गया, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। अंकित दीवान ने सोशल मीडिया पर अपनी आपबीती साझा करते हुए चेहरे पर खून के निशान वाली तस्वीर भी पोस्ट की।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886